29 Questions

Que. 1 **Direction:** Below is the table showing marks obtained by 5 students in different subjects out of 100.

Name	Marks Obtained (Out of 100)				
	English	Maths	History	Chemistry	Biology
Riddhi	68	92	74	83	-
Sruti	51	95	75	98	65
Pragya	12	84	44	51	59
Mohor	77	58	56	73	85
Kotha	45	86	59	70	62

What is the ratio between marks obtained by Sruti in English and Mohor in Biology?

1. 1 : 5
2. 4 : 5
3. 6 : 11
4. 3 : 5

Correct Option **- 4**
Marks obtained by Sruti in English = 51
Marks obtained by Mohor in Biology = 85
∴ Ratio between marks obtained by Sruti in English and Mohor in Biology = 51 : 85 = 3 : 5

Que. 1 निर्देश: दी गयी सरणी में 5 छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों में 100 में से प्राप्त किये गये अंकों को दर्शाया गया है।

नाम	प्राप्त अंक (100 में से)				
	अंग्रेजी	गणित	इतिहास	रसायन	जीव विज्ञान
रिधि	68	92	74	83	-
श्रुति	51	95	75	98	65
प्रज्ञा	12	84	44	51	59
मोहोर	77	58	56	73	85
कोठा	45	86	59	70	62

अंगेजी में श्रुति द्वारा और जीव विज्ञान में मोहोर द्वारा प्राप्त किये गये अंकों के मध्य अनुपात क्या है?

1. 1 : 5
2. 4 : 5
3. 6 : 11

4. 3 : 5

Correct Option **- 4**
अंगेजी में श्रुति द्वारा प्राप्त अंक = 51
जीव विज्ञान में मोहोर द्वारा प्राप्त अंक = 85
∴ अंगेजी में श्रुति द्वारा और जीव विज्ञान में मोहोर द्वारा प्राप्त किये गये अंकों के मध्य अनुपात = 51 : 85 = 3 : 5

Que. 2 What is the average marks of Riddhi in all subjects?

1. 49
2. 47
3. 56
4. Data cannot be determined

Correct Option **- 4**
Total marks obtained by Riddhi in all subjects = (68 + 92 + 74 + 83 + x) = 317 + x
∴ Data cannot be determined.

Que. 2 सभी विषयों में रिद्धि द्वारा प्राप्त अंकों का औसत क्या है?

1. 49
2. 47
3. 56
4. जानकारी निर्धारित नहीं की जा सकती है

Correct Option **- 4**
सभी विषयों में रिधि द्वारा प्राप्त अंक = (68 + 92 + 74 + 83 + x) = 317 + x
∴ जानकारी निर्धारित नहीं की जा सकती है।

Que. 3 What percentage of marks is obtained by Pragya in all subjects?

1. 61%
2. 13%
3. 50%
4. 92%

Correct Option **- 3**
Total marks obtained by Pragya in all subjects = (12 + 84 + 44 + 51 + 59) = 250
∴ Percentage of marks Pragya obtained in all subjects = (250/500) × 100 = 50%

Que. 3 प्रज्ञा द्वारा सभी विषयों में प्राप्त अंकों का प्रतिशत क्या है?

1. 61%
2. 13%
3. 50%
4. 92%

Correct Option **- 3**
प्रज्ञा द्वारा सभी विषयों में प्राप्त कुल अंक = (12 + 84 + 44 + 51 + 59) = 250

∴ प्रज्ञा द्वारा सभी विषयों में प्राप्त अंकों का प्रतिशत = (250/500) × 100 = 50%

Que. 4 The-correct sequence of objectives of affective domain according to Bloom's Taxonomy is

1. Receiving → Responding → Valuing → Organisation → Characterisation
2. Receiving → Valuing → Responding → Organisation → Characterisation
3. Receiving → Organisation → Characterisation → Valuing → Responding
4. Valuing → Receiving → Organisation → Responding → Characterisation

Correct Option **- 1**
Objectives in the affective domain concern feelings and attitudes that students are expected to develop as a result of instruction. There is no doubt that a lot of confusion prevails with regard to the statement of objectives in the affective domain, as compared to the cognitive domain. Terms like interest, appreciation, values, attitudes, etc., give varying shades of meaning.

Key Points

- **Receiving** (attending and awareness): This is the first and the lowest level of the objectives under an affective domain. At this level, we are concerned with the student's sensitivity to certain stimuli; that is, whether (s)he is willing to receive or attend to the stimuli.
- **Responding** (acting, feelings, movement, and change): It is the next higher level to simple awareness or attention. This category implies greater motivation and regularity in attendance.
- **Valuing** (worth, utility, and cause-effect relationship): This is the third level under the affective domain and implies a commitment to certain ideals or values. This objective includes the development of attitudes.
- **Organization** (judging, integrating, and categorizing): This level pertains to building a system of values. At this level, values are conceptualized and conflicts between the values are resolved and interrelationships are established.
- **Characterization** (sustained use of new values and expressions of commitment): Characterisation by a value and set of values is at the top of the affective domain. It regulates a person's behavior through certain values, ideas, or beliefs and the integration of values and attitudes into a world view or total philosophy of life of his own.

Hence, it can be concluded that Receiving → Responding → Valuing → Organisation → Characterisation is the correct sequence of objectives of the affective domain according to Bloom's Taxonomy.

Que. 4 ब्लूम की टेक्सॉनोमी के अनुसार भावात्मक पक्ष के उद्देश्यों का सही क्रम है:

1. अग्रहण → अनुक्रिया → अनुमूल्यन → संगठन → चारित्रीकरण
2. अग्रहण → अनुमूल्यन → अनुक्रिया → संगठन → चारित्रीकरण
3. अग्रहण → संगठन → चारित्रीकरण → अनुमूल्यन → अनुक्रिया
4. अनुमूल्यन → अग्रहण → संगठन → अनुक्रिया → चारित्रीकरण

Correct Option **- 1**
भावात्मक पक्षों में उद्देश्य उन भावनाओं और दृष्टिकोणों से संबंधित हैं जिसमें छात्रों से निर्देश के परिणामस्वरूप विकसित होने की उम्मीद होती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संज्ञानात्मक क्षेत्र की तुलना में भावात्मक क्षेत्र में उद्देश्यों के विवरण के संबंध में बहुत अधिक भ्रम है। रुचि, प्रशंसा, मूल्य, दृष्टिकोण आदि जैसे शब्द अलग-अलग अर्थ दर्शाते हैं।

Key Points

- **अग्रहण** (उपस्थिति और जागरूकता): यह एक भावात्मक क्षेत्र के तहत उद्देश्यों का पहला और सबसे निचला स्तर है। इस स्तर पर, हम छात्र की कुछ उद्दीपनों के प्रति संवेदनशीलता से चिंतित होते हैं; वह यह है कि क्या वह उद्दीपनों को प्राप्त करने या उसमें भाग लेने के लिए तैयार हैं।

- **अनुक्रिया** (अभिनय, भावनाएं, गति और परिवर्तन): यह साधारण जागरूकता या ध्यान के लिए अगला उच्च स्तर है। इस श्रेणी का तात्पर्य उपस्थिति में अधिक प्रेरणा और नियमितता से है।
- **अनुमूल्यन** (मूल्य, उपयोगिता और कारण-प्रभाव संबंध): यह भावात्मक पक्ष के तहत तीसरा स्तर है और कुछ आदर्शों या मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उद्देश्य में दृष्टिकोण का विकास शामिल है।
- **संगठन** (निर्णय, एकीकरण और वर्गीकरण): यह स्तर मूल्यों की एक प्रणाली के निर्माण से संबंधित है। इस स्तर पर, मूल्यों की अवधारणा की जाती है और मूल्यों के बीच संघर्ष को हल किया जाता है और अंतर्संबंध स्थापित होते हैं।
- **चरित्रीकरण** (नए मूल्यों और प्रतिबद्धता की अभिव्यक्तियों का निरंतर उपयोग): एक मूल्य और मूल्यों के समूह द्वारा विशेषता, भावात्मक पक्ष के शीर्ष पर है। यह कुछ मूल्यों, विचारों, या विश्वासों के माध्यम से किसी व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करता है और मूल्यों और दृष्टिकोणों के एकीकरण को एक विश्व दृष्टिकोण या अपने स्वयं के जीवन के कुल दर्शन में शामिल करता है।

अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अग्रहण → अनुक्रिया → अनुमूल्यन → संगठन → चारित्रीकरण ब्लूम की टैक्सोनॉमी के अनुसार भावात्मक पक्ष के उद्देश्यों का सही क्रम है।

Que. 5 Which of the following is not part of the triangle of Evaluation?

1. Educational Objectives
2. Evaluation
3. Teaching Experiences
4. Learning Experiences

Correct Option **- 3**

Evaluation is an integral part of any teaching and learning process. It is the process that determines the extent to which an objective has been attained, the effectiveness of the teaching and learning experience, and how the goals of evaluation have been accomplished.

Key Points

The Evaluation Process depends on Three Pillars:

1. **Educational Objectives:** Objectives may be general or specific. General objectives include appraising the changes in student behavior, relating measurement to the goals of the instruction, etc. The specific objective includes diagnosing the weaknesses of students, testing the development of skills in students, etc.
2. **Learning Experiences:** These are planned and organized based on the objectives. It refers to any interaction, course, program, or other experience in which learning takes place.
3. **Tools and Techniques of Evaluation:** It is needed to discover the extent of effectiveness of the experiences at every stage in the learning process to bring out the desired changes in students. It is a continuous process occurring at periodical intervals.

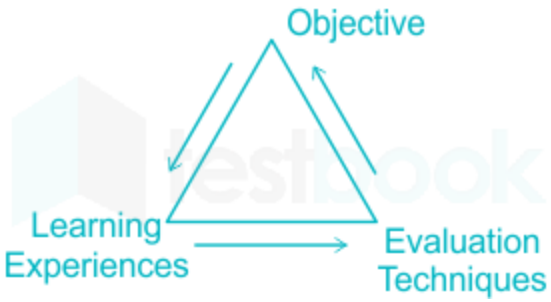

Hence, it can be seen from the given points that **teaching experiences** are not a part of the triangle of evaluation.

Que. 5 निम्नलिखित में से कौन-सा मूल्यांकन के त्रिकोण का भाग नहीं है?

1. शैक्षिक उद्देश्य
2. मूल्यांकन

3. शिक्षण अनुभव
4. अधिगम अनुभव

Correct Option - **3**

मूल्यांकन किसी भी शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया का एक अभिन्न भाग है। यह वह प्रक्रिया है जो यह निर्धारित करती है कि एक उद्देश्य किस हद तक प्राप्त किया गया है, शिक्षण और अधिगम के अनुभव की प्रभावशीलता, और मूल्यांकन के लक्ष्यों को कैसे पूरा किया गया है।

Key Points

मूल्यांकन प्रक्रिया तीन स्तंभों पर निर्भर करती है:

1. **शैक्षिक उद्देश्य:** उद्देश्य सामान्य या विशिष्ट हो सकता है। सामान्य उद्देश्यों में छात्र के व्यवहार में परिवर्तन को शामिल करना, निर्देश के लक्ष्यों से मापन को संबंधित करना आदि शामिल हैं। विशिष्ट उद्देश्य में छात्रों की कमजोरियों का निदान करना, छात्रों में कौशल के विकास का परीक्षण करना आदि शामिल हैं।
2. **अधिगम अनुभव:** ये योजनाबद्ध और उद्देश्यों के आधार पर व्यवस्थित होते हैं। यह किसी भी परस्पर क्रिया, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम, या अन्य अनुभव को संदर्भित करता है जिसमें शिक्षण होता है।
3. **मूल्यांकन के उपकरण और तकनीक:** छात्रों में वांछित परिवर्तन लाने के लिए शिक्षण प्रक्रिया में हर स्तर पर अनुभवों की प्रभावशीलता की सीमा की खोज करना आवश्यक है। यह समय-समय पर होने वाली एक सतत प्रक्रिया है।

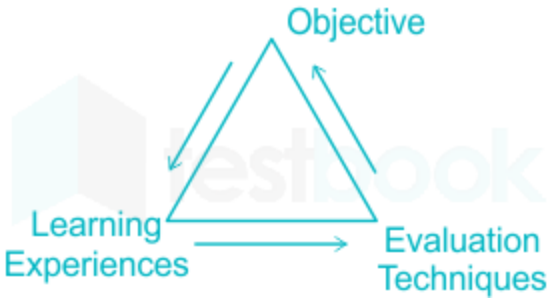

अतः यह दिए गए बिंदुओं से देखा जा सकता है कि **शिक्षण अनुभव** मूल्यांकन के त्रिकोण का एक भाग नहीं है।

Que. 6 Match List I with List-II. List I gives the methods of teaching in Institutions of higher learning while List II provides the techniques of increasing effectiveness of the method.

List I		**List II**	
Methods of teaching		Practices	
(A)	Lecture method	(I)	Using tools to demonstrate a fact
(B)	Demonstrative method	(II)	The commonly and frequently used method in the classroom
(C)	Problem-solving method	(III)	Learning by exploration
(D)	Heuristic method	(IV)	Gaining knowledge by solving multiple problems

Choose the correct answer from the option given below :

1. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)
2. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (IV)

3. (A) - (II), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (III)
4. (A) - (IV), (B) - (III), (C) - (II), (D) - (I)

Correct Option **- 3**
The teaching stimulates and directs the learning of students. Teaching essentially helps students to acquire knowledge and understanding, and develop skills, attitudes, values, and appreciation leading to change in behavior. **The methods of teaching commonly in use can be grouped as teaching methods in the classroom setting.**

Key Points

Methods of teaching	Practices
Lecture method	• **The lecture method is one of the most commonly used methods in teaching.** • It is a method of teaching whereby the teacher attempts to explain facts, principles, or relationships to help students to understand. • **The teacher is an active participant, the students are the passive listeners.** • The teacher talks more or less continuously to the class. • The class listens, writes, and notes facts and ideas for remembering and to think them over later. • Usually, the students do not converse with the teacher during lectures by the teacher. • **It is a one-way method.**
Demonstrative method	• **The most effective method for the development of skills is the demonstration method.** • The demonstration is defined as a method of teaching by exhibition and explanation. • **It implies the presence of organized series of events or equipment for a group of students for their observation.** • Salient features, utility, the efficiency of each article, each step of a procedure, experiment are explained.

	• **It is a combination of lecture and laboratory work.** • The students may or may not be involved while demonstrations are done by the teacher. Students usually make observations, listen and write down notes. • **Often this method is referred to as lecture-demonstration or demonstration-lecture.** • **In this method theory and practice go hand in hand.**
Problem-solving method	• **In a problem-solving method, students learn by working on problems.** • This enables the students to learn new knowledge by facing the problems to be solved. • **The students are expected to observe, understand, analyze, interpret find solutions, and perform applications that lead to a holistic understanding of the concept.**
Heuristic method	• The heuristic method of teaching is an economic and fast strategy. • **In the Heuristic method, the student must be an independent discoverer. So there is no teacher help or guidance in this method.** • In this method, the teacher poses a problem to the students, then stands aside while they discover the answer. • **Thus the students learn by exploration.**

Hence the correct match is (A) - (II), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (III)

Que. 6 सूची I को सूची- II के साथ सुमेलित करें। सूची I उच्च शिक्षा के संस्थानों में शिक्षण की विधियों का विवरण देती है जबकि सूची II विधि की प्रभावशीलता बढ़ाने की तकनीक प्रदान करती है।

सूची I	**सूची II**

शिक्षण विधियाँ		अभ्यास	
(A)	व्याख्यान विधि	(I)	किसी तथ्य को प्रदर्शित करने के लिए उपकरणों का उपयोग करना
(B)	प्रदर्शन विधि	(II)	कक्षा में आमतौर पर और अक्सर इस्तेमाल की जाने वाली विधि
(C)	समस्या समाधान विधि	(III)	अन्वेषण द्वारा सीखना
(D)	अनुमानी विधि	(IV)	कई समस्याओं को हल करके ज्ञान प्राप्त करना

नीचे दिए गए विकल्प में से सही उत्तर चुनिए:

1. (A) - (III), (B) - (IV), (C) - (I), (D) - (II)
2. (A) - (I), (B) - (II), (C) - (III), (D) - (IV)
3. (A) - (II), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (III)
4. (A) - (IV), (B) - (III), (C) - (II), (D) - (I)

Correct Option **- 3**

शिक्षण छात्रों के सीखने को उद्दीप्त और निर्देशित करता है। शिक्षण अनिवार्य रूप से छात्रों को ज्ञान और समझ हासिल करने में मदद करता है, और कौशल, दृष्टिकोण, मूल्य और प्रशंसा विकसित करता है जिससे व्यवहार में परिवर्तन होता है। **आमतौर पर उपयोग में आने वाली शिक्षण विधियों को कक्षा समायोजन में शिक्षण विधियों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।**

Key Points

पढ़ाने के तरीके	अभ्यास
व्याख्यान विधि	• **व्याख्यान विधि शिक्षण में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली विधियों में से एक है।** • यह शिक्षण का एक तरीका है जिसके द्वारा शिक्षक छात्रों को समझने में मदद करने के लिए तथ्यों, सिद्धांतों या संबंधों को समझाने का प्रयास करता है। • **शिक्षक एक सक्रिय भागीदार है, छात्र निष्क्रिय श्रोता हैं।** • शिक्षक कक्षा से कम या ज्यादा लगातार बात करता है। • कक्षा तथ्यों और विचारों को सुनती है, लिखती है और नोट करती है ताकि उन्हें बाद में याद किया जा सके और उन पर विचार किया जा सके। • आमतौर पर शिक्षक द्वारा व्याख्यान के दौरान छात्र शिक्षक के साथ बातचीत नहीं करते हैं। • **यह एकतरफा तरीका है।**
प्रदर्शन विधि	• **कौशल विकास के लिए सबसे प्रभावी तरीका प्रदर्शन विधि है।** • प्रदर्शन को प्रदर्शनी और स्पष्टीकरण द्वारा शिक्षण की एक विधि के रूप में परिभाषित किया गया है।

	• **इसका तात्पर्य छात्रों के एक समूह के अवलोकन के लिए आयोजनों या उपकरणों की संगठित श्रृंखला की उपस्थिति से है।** • मुख्य विशेषताएं, उपयोगिता, प्रत्येक लेख की दक्षता, एक प्रक्रिया के प्रत्येक चरण, प्रयोग के बारे में बताया गया है। • **यह व्याख्यान और प्रयोगशाला के काम का एक संयोजन है।** • शिक्षक द्वारा प्रदर्शन किए जाने पर छात्र शामिल हो भी सकते हैं और नहीं भी। छात्र आमतौर पर अवलोकन करते हैं, सुनते हैं और नोट्स लिखते हैं। • **अक्सर इस पद्धति को व्याख्यान-प्रदर्शन या प्रदर्शन-व्याख्यान कहा जाता है।** • **इस विधि में सिद्धांत और व्यवहार साथ-साथ चलते हैं।**
समस्या समाधान विधि	• **समस्या-समाधान विधि में विद्यार्थी समस्याओं पर कार्य करके सीखते हैं।** • यह छात्रों को हल की जाने वाली समस्याओं का सामना करके नया ज्ञान सीखने में सक्षम बनाता है। • **छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अवलोकन करें, समझें, विश्लेषण करें, समाधान खोजें, और ऐसे अनुप्रयोग करें जो अवधारणा की समग्र समझ की ओर ले जाएं।**
अनुमानी विधि	• शिक्षण की अनुमानी विधि एक आर्थिक और तेज़ रणनीति है। • **अनुमानी विधि में, छात्र को एक स्वतंत्र खोजकर्ता होना चाहिए। तो इस पद्धति में कोई शिक्षक सहायता या मार्गदर्शन नहीं है।** • इस विधि में, शिक्षक छात्रों के लिए एक समस्या प्रस्तुत करता है, फिर उत्तर खोजते समय एक तरफ खड़ा हो जाता है। • **इस प्रकार छात्र अन्वेषण द्वारा सीखते हैं।**

अतः सही मिलान (A) - (II), (B) - (I), (C) - (IV), (D) - (III) हैं।

Que. 7 Which of the following statement best describes the principles of research ethics?

1. When a researcher publishes previously published material by himself, it is not plagiarism.
2. Following standard research ethics is the sole responsibility of the Institute.
3. Ethics in research lays the bounds of discipline for a researcher.
4. Standard research ethics changes from person to person.

Correct Option **- 3**
Ethics in research:

- Ethics are the **moral principles or norms** that should be followed by everyone irrespective of time and place.
- Research ethics implies **fair conduct and distinguishing between right and wrong.**
- It refers to the adherence to the publication norms and practices while conducting the research process.
- It emphasizes the original study, plagiarism-free contents, presentation of true facts and figures in the research article, and avoidance of dubious means associated with research activities.

Key Points

When a researcher publishes previously published material by himself, it is not plagiarism: **Incorrect**

- Auto-plagiarism, also known as **self-plagiarism or duplication.**
- It happens when an **author reuses significant portions of his or her previously published work without attribution.**
- Thus, this type of plagiarism is most likely to involve published researchers, rather than university students.
- The **severity of this kind of infraction is under debate, depending on the copied content.**
- Many academic journals, however, have strict criteria on the percentage of author's work that is reusable.
- **This is another form of plagiarism.**

Following standard research ethics is the sole responsibility of the Institute: **Incorrect**

- Following the principles of ethics is not the sole responsibility of the institute.
- **It is an individual's personal responsibility to avoid ethical transgression.**

Standard research ethics changes from person to person: **Incorrect**

- Ethics is the same for everyone, it does not differ from person to person.
- It is a set of principles that is to be followed by all irrespective of position, experience and qualification.

Thus, the correct statement is ethics in research lays the bounds of discipline for a researcher.

Que. 7 निम्नलिखित में से कौन सा कथन अनुसंधान नैतिकता के सिद्धांतों का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

1. जब कोई शोधकर्ता पूर्व में स्वयं द्वारा प्रकाशित सामग्री को प्रकाशित करता है, वह साहित्यिक चोरी नहीं है।
2. मानक अनुसंधान नैतिकता का पालन करना संस्थान की एकमात्र जिम्मेदारी है।
3. अनुसंधान में नैतिकता एक शोधकर्ता के लिए अनुशासन की सीमा निर्धारित करती है।
4. मानक अनुसंधान नैतिकता एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में परिवर्तित होती है।

Correct Option **- 3**
अनुसंधान में नैतिकता:

- नैतिकता **नैतिक सिद्धांत या मानदंड हैं** जिनका पालन सभी को समय और स्थान की अवहेलना किए बिना करना चाहिए।

- अनुसंधान नैतिकता का तात्पर्य **निष्पक्ष आचरण और सही और गलत के बीच अंतर करना है।**
- यह अनुसंधान प्रक्रिया का संचालन करते समय प्रकाशन मानदंडों और प्रथाओं के पालन को संदर्भित करती है।
- यह मूल अध्ययन, साहित्यिक चोरी मुक्त सामग्री, अनुसंधान लेख में सही तथ्यों और आंकड़ों की प्रस्तुति और अनुसंधान गतिविधियों से जुड़े संदिग्ध साधनों से बचने पर जोर देती है।

Key Points

जब कोई शोधकर्ता पहले स्वयं द्वारा प्रकाशित सामग्री को प्रकाशित करता है, तो यह साहित्यिक चोरी नहीं है: **गलत**

- स्व-साहित्यिक चोरी, को **आत्म-साहित्यिक चोरी या दोहराव** के रूप में भी जाना जाता है।
- ऐसा तब होता है जब कोई लेखक बिना किसी रोपण के **अपने पहले प्रकाशित कार्य के महत्वपूर्ण भाग का पुन: उपयोग करता है।**
- अत:, इस प्रकार की साहित्यिक चोरी में विश्वविद्यालय के छात्रों के बजाय प्रकाशित शोधकर्ताओं के शामिल होने की सबसे अधिक संभावना है।
- **नकल की गई सामग्री के आधार पर, इस प्रकार के उल्लंघन की गंभीरता पर बहस चल रही है।**
- हालांकि, कई शैक्षणिक पत्रिकाओं में पुन: प्रयोज्य लेखक के कार्य के प्रतिशत होने पर सख्त मानदंड हैं।
- **यह साहित्यिक चोरी का दूसरा रूप है।**

मानक अनुसंधान नैतिकता का पालन करना संस्थान की एकमात्र जिम्मेदारी है: **गलत**

- नैतिकता के सिद्धांतों का पालन करना संस्थान की एकमात्र जिम्मेदारी नहीं है।
- **नैतिक उल्लंघन से बचना एक व्यक्ति की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है।**

मानक अनुसंधान नैतिकता एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में परिवर्तित होती है: **गलत**

- नैतिकता सभी के लिए समान है, यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न नहीं होती है।
- यह सिद्धांतों का एक समूह है जिसका सभी को पालन करना होता है, चाहे पद, अनुभव और योग्यता कुछ भी हो।

इस प्रकार, सही कथन यह है कि अनुसंधान में नैतिकता एक शोधकर्ता के लिए अनुशासन की सीमा निर्धारित करती है।

Que. 8 One of the characteristics of probability sampling is

1. Population bias
2. sampling bias
3. Random selection
4. Accidental selection

Correct Option - **3**
The correct option is: Random selection

Important Points

Probability sampling is a sampling technique used in research and statistics, where **each member of the population has a known and equal chance of being selected to be part of the sample**.

- It is based on the principle of random selection.
- In probability sampling, every individual or element in the population has a non-zero chance of being selected for the sample.
- This ensures that the sample is representative of the entire population and helps reduce bias in the selection process.

Population bias:

- Population bias refers to the **distortion or non-representativeness of the sample** due to the characteristics of the population being studied.
- This is not a characteristic of probability sampling.

Sampling bias:

- Sampling bias occurs when some members of the population are more likely to be included in the sample than **others, leading to an unrepresentative sample.**
- Probability sampling aims to reduce sampling bias through random selection.

Accidental selection:

- Accidental selection, also known as **convenience sampling, is a non-probability sampling method** where researchers choose individuals who are readily available or easily accessible.
- It does not involve random selection and may lead to bias in the sample.

Therefore, the correct characteristic of probability sampling is option 3) Random selection.

Que. 8 प्रायिकता प्रतिचयन की विशेषताओं में से एक है:

1. जनसंख्या पूर्वाग्रह
2. प्रतिचयन पूर्वाग्रह
3. यादृच्छिक चयन
4. अकस्मात चयन

Correct Option **- 3**

सही विकल्प है: यादृच्छिक चयन

📌 Important Points

प्रायिकता प्रतिचयन एक प्रतिचयन तकनीक है जिसका उपयोग अनुसंधान और सांख्यिकी में किया जाता है,जहाँ **जनसंख्या के प्रत्येक सदस्य के नमूने का हिस्सा बनने के लिए चुने जाने की ज्ञात और समान संभावना होती है।**

- यह यादृच्छिक चयन के सिद्धांत पर आधारित है।
- प्रायिकता प्रतिचयन में, जनसंख्या के प्रत्येक व्यक्ति या तत्व के प्रतिचयन के लिए चयनित होने की गैर-शून्य संभावना होती है।
- इससे यह सुनिश्चित होता है कि नमूना सम्पूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है और चयन प्रक्रिया में पूर्वाग्रह को कम करने में मदद मिलती है।

जनसंख्या पूर्वाग्रह:

- जनसंख्या पूर्वाग्रह का तात्पर्य अध्ययन की जा रही जनसंख्या की विशेषताओं के कारण **नमूने की विकृति या गैर-प्रतिनिधित्व से है।**
- यह प्रायिकता प्रतिचयन की विशेषता नहीं है।

आंकड़ों की अशुद्धि:

- नमूनाकरण पूर्वाग्रह तब होता है जब जनसंख्या के कुछ सदस्यों को **अन्य की तुलना में नमूने में शामिल किए जाने की अधिक संभावना होती है, जिसके परिणामस्वरूप नमूना गैर-प्रतिनिधिक बन जाता है।**
- प्रायिकता प्रतिचयन का उद्देश्य यादृच्छिक चयन के माध्यम से प्रतिचयन पूर्वाग्रह को कम करना है।

आकस्मिक चयन:

- आकस्मिक चयन, **जिसे सुविधानुसार नमूनाकरण के रूप में भी जाना जाता है, एक गैर-संभाव्यता नमूनाकरण विधि है** , जिसमें शोधकर्ता ऐसे व्यक्तियों का चयन करते हैं जो आसानी से उपलब्ध या सुलभ हों।

- इसमें यादृच्छिक चयन शामिल नहीं है और इससे नमूने में पूर्वाग्रह उत्पन्न हो सकता है।

इसलिए, प्रायिकता प्रतिचयन की सही विशेषता विकल्प 3) यादृच्छिक चयन है।

Que. 9 Which of the following is not a characteristics of ex post facto research design?

1. The research has control or a comparison group
2. The research focuses on the effects
3. The research tries to analyze the 'how' and 'what' aspect of an event
4. Ex Post Facto research subjects are randomly assigned.

Correct Option **- 4**
Ex post facto study or **after**-the-fact **research** is a category of **research** design in which the investigation starts **after** the fact has occurred without interference from the researcher. **For example**, if there has been an economical recession in a country and the researcher tries to analyze the 'cause' or reason behind such a recession (which is the 'effect').

- An ex post facto research design is a method in which **groups with qualities that already exist are compared on some dependent variable**. Also known as **"after the fact"** research, an ex post facto design is considered **quasi-experimental** because the **subjects are not randomly assigned -** they are grouped based on a particular characteristic or trait.

- Although differing groups are analyzed and compared in regards to independent and dependent variables **it is not a true experiment because it lacks random assignment**.
- Ex-post-facto research can be defined as **an empirically based investigation that does not involve the researchers' direct control over the independent variables** because they have already led to effects that can no Ex-Post Facto Research more be manipulated.
- The assignment of subjects to different groups is based on whichever variable is of interest to the researchers.
- On basis of the occurring events, there can be two designs or forms of research and these are **Prospective research design and Retrospective research design**.

Characteristics of ex post facto design

1. **The research has control or a comparison group**

   As the research is done on basis of the study of the cause which has already led to its effects, it becomes necessary for the researcher to keep a control group, which can be used for comparison with the actual experimental group later on, in order to analyze the cause of an already occurred event.

2. **The behavior, action, event or the treatment or the independent variable of the research cannot be manipulated or changed**
3. **The research focuses on the effects**

   . Only after having a detailed study of the phenomena or the event, the researcher tries to determine the causes behind such an event or phenomena.

4. **The research tries to analyze the 'how' and 'what' aspect of an event**

   Since the researcher tries to understand the causal effects behind phenomena, the research basically focuses on how and what reasons have led that phenomena to occur.

5. **Explores possible effects and causes**

With the help of ex-post-facto research, the researcher tries to analyze the cause and effect phenomena of an event, action, or behavior.

Conclusion: In Ex Post Facto research subjects are not randomly assigned, the dependent variable is measured first and any number of hypotheses can be supported. It also requires a control group but rigorous control is not possible. Hence, **option (4) i**s correct.

Que. 9 निम्नलिखित में से कौन-सी कार्योत्तर अनुसंधान डिजाइन की विशेषता नहीं है?

1. शोध में नियंत्रण या तुलना समूह होता है
2. शोध प्रभावों पर केंद्रित है
3. शोध किसी घटना के 'कैसे' और क्या 'पहलू का विश्लेषण करने की कोशिश करता है
4. एक्स पोस्ट फैक्टो में शोध विषयों को यादृच्छिकता से असाइन किया जाता है

Correct Option - **4**

एक्स पोस्ट फैक्टो अध्ययन या इसके **बाद** के तथ्य शोध, शोध की एक श्रेणी है जिसमें शोधकर्ता के हस्तक्षेप के बिना तथ्य सामने आने **के बाद** जांच शुरू होती है। **उदाहरण के लिए,** यदि किसी देश में आर्थिक मंदी आई है और शोधकर्ता ऐसी मंदी (जो कि 'प्रभाव' है) के पीछे 'कारण' या कारण का विश्लेषण करने की कोशिश करता है।

- एक्स पोस्ट फैक्टो रिसर्च डिज़ाइन एक ऐसी विधि है जिसमें **ऐसे गुण वाले समूह पहले से मौजूद कुछ आश्रित चर की तुलना में हैं। "तथ्य के बाद"** शोध के रूप में भी जाना जाता है, एक पूर्व पोस्ट फैक्टो डिजाइन को **अर्ध-प्रयोगात्मक** माना जाता है क्योंकि **विषयों को यादृच्छिक रूप से असाइन नहीं** किया जाता है - उन्हें एक विशेष विशेषता या विशेषता के आधार पर समूहीकृत किया जाता है।

- हालांकि अलग-अलग समूहों का विश्लेषण किया जाता है और स्वतंत्र और निर्भर चर के संबंध में तुलना की जाती है लेकिन यह एक **सही प्रयोग नहीं है क्योंकि इसमें यादृच्छिक असाइनमेंट का अभाव है।**
- एक्स-पोस्ट-फैक्टो रिसर्च को **एक अनुभव आधारित जांच के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें स्वतंत्र चर पर शोधकर्ताओं के प्रत्यक्ष नियंत्रण को शामिल नहीं किया गया है** क्योंकि वे पहले से ही ऐसे प्रभावों का नेतृत्व कर चुके हैं जो एक्स-पोस्ट फैक्टो रिसर्च में अधिक हेरफेर नहीं कर सकते हैं।
- विभिन्न समूहों को विषयों का असाइनमेंट जो भी परिवर्तनशील पर आधारित है, वह शोधकर्ताओं के लिए रुचि रखता है।
- घटने वाली घटनाओं के आधार पर, अनुसंधान के दो डिज़ाइन या रूप हो सकते हैं और ये **संभावित शोध डिज़ाइन और पूर्वव्यापी शोध डिज़ाइन हैं।**

एक्स पोस्ट वास्तविक डिजाइन के लक्षण

1. **शोध में नियंत्रण या तुलना समूह होता है**
   जैसा कि अनुसंधान उस कारण के अध्ययन के आधार पर किया जाता है जो पहले से ही इसके प्रभावों का कारण बन गया है, शोधकर्ता के लिए एक नियंत्रण समूह रखना आवश्यक हो जाता है, जिसका उपयोग वास्तविक प्रायोगिक समूह के साथ बाद में तुलना करने के लिए किया जा सकता है, ताकि पहले से हुई घटना के कारण का विश्लेषण करें।

2. **व्यवहार, क्रिया, घटना या उपचार या शोध के स्वतंत्र चर में हेरफेर या परिवर्तन नहीं किया जा सकता है**
3. **शोध प्रभावों पर केंद्रित है**

   . घटना या वृत्तांत का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही, शोधकर्ता ऐसी घटना या घटना के पीछे के कारणों को निर्धारित करने का प्रयास करता है।

4. **शोध किसी घटना के 'कैसे' और क्या 'पहलू का विश्लेषण करने की कोशिश करता है**

   चूंकि शोधकर्ता घटना के पीछे के कारण प्रभावों को समझने की कोशिश करता है, इसलिए शोध मूल रूप से इस बात पर केंद्रित है कि किस तरह से और किन कारणों से घटनाएं हुई हैं।

5. **संभावित प्रभावों और कारणों की पड़ताल**

एक्स-पोस्ट फैक्टो शोध की मदद से, शोधकर्ता किसी घटना, कार्य या व्यवहार के कारण और प्रभाव की घटनाओं का विश्लेषण करने की कोशिश करता है।

निष्कर्ष: एक्स पोस्ट फैक्टो में शोध विषयों को यादृच्छिकता से असाइन नहीं किया जाता है, निर्भर चर पहले मापा जाता है और किसी भी संख्या की परिकल्पना का समर्थन किया जा सकता है। इसके लिए एक नियंत्रण समूह की भी आवश्यकता है लेकिन कठोर नियंत्रण संभव नहीं है। अतः, **विकल्प (4)** सही है।

Que. 10 The Film and TV Institute of India is situated in

1. Mumbai
2. Delhi
3. Pune
4. Lucknow

Correct Option **- 3**
The correct answer is **Pune**.

Key Points

- **The Film and Television Institute of India (FTII) was set up by the Government of India in 1960, in the premises of the erstwhile Prabhat Studios in Pune.**
- **Current Chairman: Shekhar Kapur.**
- The Film and Television Institute of India (FTII) was established in the year 1960 and was formerly known the 'Film Institute of India'. It was a department of the Ministry of Information and Broadcasting of the Government of India.
- In 1971, FTII came to be known as the 'Film and Television Institute of India' (FTII) and soon started in-service training programs for Doordarshan, India's public broadcaster. The Television Training wing, which was earlier functioning in New Delhi, shifted to Pune in 1974. Thereafter, the institute became fully aided by the Ministry of Information and Broadcasting.
- Today, FTII is recognised as a centre for excellence in audiovisual media across the world and one of the best film institutes in India.

Additional Information

- The National School of Drama (NSD) is an autonomous organisation under the Ministry of Culture as well as a training institute for theatre located at New Delhi.
- **The National School of Drama is one of the foremost theatre training institutions in the world and the only one of its kind in India.**
- It was set up by the Sangeet Natak Akademi as one of its constituent units in 1959.
- In 1975, it became an independent entity and was registered as an autonomous organization under the Societies Registration Act XXI of 1860, fully financed by the Ministry of Culture, Government of India.
- **Current Chairman: Shri Paresh Rawal**

Que. 10 भारतीय फिल्म और टीवी संस्थान कहाँ स्थित है?

1. मुंबई
2. दिल्ली
3. पुणे
4. लखनऊ

Correct Option **- 3**
सही उत्तर **पुणे** है ।

प्रमुख बिंदु

- **भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (FTII) की स्थापना 1960 में भारत सरकार द्वारा पुणे में तत्कालीन प्रभात स्टूडियो के परिसर में की गई थी।**
- **वर्तमान अध्यक्ष: शेखर कपूर।**
- भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (FTII) की स्थापना वर्ष 1960 में हुई थी और इसे पहले 'भारतीय फिल्म संस्थान' के नाम से जाना जाता था। यह भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक विभाग था।
- 1971 में, FTII को 'फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' (FTII) के रूप में जाना जाने लगा और जल्द ही भारत के सार्वजनिक प्रसारक दूरदर्शन के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। टेलीविज़न ट्रेनिंग विंग, जो पहले नई दिल्ली में काम कर रहा था, 1974 में पुणे में स्थानांतरित हो गया। इसके बाद, संस्थान को सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा पूरी तरह से सहायता प्राप्त हुई।
- आज, FTII को दुनिया भर में श्रव्य-दृश्य मीडिया में उत्कृष्टता के केंद्र और भारत में सर्वश्रेष्ठ फिल्म संस्थानों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

अतिरिक्त जानकारी

- राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD) संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है और साथ ही नई दिल्ली में स्थित थिएटर के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान है।
- **राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दुनिया के अग्रणी रंगमंच प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है और भारत में अपनी तरह का एकमात्र ऐसा संस्थान है।**
- इसकी स्थापना 1959 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा इसकी एक घटक इकाई के रूप में की गई थी।
- 1975 में, यह एक स्वतंत्र इकाई बन गई और 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के तहत एक स्वायत्त संगठन के रूप में पंजीकृत हुई, पूरी तरह से संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित।
- **वर्तमान अध्यक्ष: श्री परेश रावल**

Que. 11 A conference or a meeting or even a mela or procession is a 'communication event', newspapers, radio, cinema and television are communication media ', phones, computers, satellites and the internet are 'communication _____'.

1. spaces
2. media
3. technologies
4. process

Correct Option **- 3**
The correct answer is 'communication technologies'

Key Points

- **Communication Technologies:**
  - Communication technologies refer to the tools and systems used for transmitting, receiving, and processing information.
  - Examples include phones, computers, satellites, and the internet.
  - These technologies enable the exchange of information across various platforms and distances, making global communication possible.

Additional Information

- **Communication Spaces:**

    - Communication spaces refer to the physical or virtual places where communication occurs, such as meeting rooms, chat rooms, or social media platforms.
    - They are not the tools or systems used for communication but rather the environments in which communication happens.
- **Communication Media:**
    - Communication media refer to the channels through which information is conveyed, such as newspapers, radio, cinema, and television.
    - While they play a crucial role in the dissemination of information, they are distinct from the technologies that enable communication.
- **Communication Process:**
    - The communication process involves the steps and elements involved in exchanging information, including encoding, transmitting, receiving, and decoding messages.
    - It is a broader concept that encompasses the entire act of communication rather than specific tools or technologies.

Que. 11 एक सम्मेलन या एक बैठक या यहाँ तक कि एक मेला या जुलूस एक 'संचार घटना' है, समाचार - पत्र, रेडियो, सिनेमा और टेलीविजन 'संचार माध्यम' हैं, फोन, कंप्यूटर, उपग्रह और इंटरनेट 'संचार _____' हैं ।

1. अंतराल
2. मीडिया
3. प्रौद्योगिकियाँ
4. प्रक्रिया

Correct Option - **3**
सही उत्तर है 'संचार प्रौद्योगिकियां'

प्रमुख बिंदु

- **संचार प्रौद्योगिकियाँ:**
    - संचार प्रौद्योगिकियां उन उपकरणों और प्रणालियों को संदर्भित करती हैं जिनका उपयोग सूचना प्रेषित करने, प्राप्त करने और प्रसंस्करण के लिए किया जाता है।
    - उदाहरणों में फोन, कंप्यूटर, उपग्रह और इंटरनेट शामिल हैं।
    - ये प्रौद्योगिकियां विभिन्न प्लेटफार्मों और दूरियों पर सूचनाओं के आदान-प्रदान को सक्षम बनाती हैं, जिससे वैश्विक संचार संभव हो पाता है।

अतिरिक्त जानकारी

- **संचार स्थान:**
    - संचार स्थान से तात्पर्य भौतिक या आभासी स्थानों से है जहां संचार होता है, जैसे बैठक कक्ष, चैट रूम या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म।
    - वे संचार के लिए प्रयुक्त उपकरण या प्रणालियाँ नहीं हैं, बल्कि वे वातावरण हैं जिनमें संचार होता है।
- **संचार माध्यम:**
    - संचार माध्यम से तात्पर्य उन माध्यमों से है जिनके माध्यम से सूचना संप्रेषित की जाती है, जैसे समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा और टेलीविजन।
    - यद्यपि वे सूचना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, फिर भी वे संचार को सक्षम बनाने वाली प्रौद्योगिकियों से भिन्न हैं।
- **संचार प्रक्रिया:**
    - संचार प्रक्रिया में सूचनाओं के आदान-प्रदान से संबंधित चरण और तत्व शामिल होते हैं, जिनमें संदेशों को कोड करना, प्रेषित करना, प्राप्त करना और डिकोड करना शामिल है।

- यह एक व्यापक अवधारणा है जो विशिष्ट उपकरणों या प्रौद्योगिकियों के बजाय संचार की संपूर्ण क्रिया को सम्मिलित करती है।

Que. 12 Which is the greatest ratio among the following?

$\frac{8}{11}$, $\frac{4}{5}$, $\frac{1}{2}$ and $\frac{1}{11}$

1. $\frac{8}{11}$
2. $\frac{4}{5}$
3. $\frac{1}{2}$
4. $\frac{1}{11}$

Correct Option **- 2**

Given:-

1. 8/11

2. 4/5

3. 1/2

4. 1/11

Solution:

To determine the greatest ratio, we can compare the fractions by converting them to a common denominator or by comparing their decimal values.

1. Convert each fraction to decimal form:

8/11 ≈ 0.727

4/5 = 0.8

1/2 = 0.5

1/11 ≈ 0.091

2. Compare the decimal values:

0.8 (4/5) > 0.727 (8/11) > 0.5 (1/2) > 0.091 (1/11)

Final Answer: The greatest ratio among the given options is 4/5.

Que. 12 निम्नलिखित में से कौन सा अनुपात सबसे बड़ा है?

$\frac{8}{11}$, $\frac{4}{5}$, $\frac{1}{2}$ और $\frac{1}{11}$

1. $\frac{8}{11}$
2. $\frac{4}{5}$
3. $\frac{1}{2}$
4. $\frac{1}{11}$

Correct Option **- 2**

दिया गया है:-

1. 8/11

2. 4/5

3. 1/2

4. 1/11

हल:

सबसे बड़े अनुपात का निर्धारण करने के लिए, हम भिन्नों की तुलना एक समान हर में बदलकर या उनके दशमलव मानों की तुलना करके कर सकते हैं।

1. प्रत्येक भिन्न को दशमलव रूप में बदलें:

8/11 ≈ 0.727

4/5 = 0.8

1/2 = 0.5

1/11 ≈ 0.091

2. दशमलव मानों की तुलना करें:

0.8 (4/5) > 0.727 (8/11) > 0.5 (1/2) > 0.091 (1/11)

अंतिम उत्तर: दिए गए विकल्पों में सबसे बड़ा अनुपात 4/5 है।

Que. 13 After selling 110 oranges, a shopkeeper claims that he makes a profit equal to the selling price of 22 oranges. Find the profit percentage of the shopkeeper.

1. 75%
2. 80%
3. 22%
4. 25%

Correct Option **- 4**

Given:

After selling 110 oranges, profit = selling price of 22 oranges

Formula used:

Profit percentage = $\frac{\text{Profit}}{\text{Cost Price}} \times 100$

Calculation:

Let SP of 1 orange = ₹1 (for simplicity)

Total SP of 110 oranges = 110 × 1 = ₹110

Profit = SP of 22 oranges = 22 × 1 = ₹22

Therefore, CP of 110 oranges = Total SP - Profit

⇒ CP of 110 oranges = 110 - 22 = ₹88

CP of 1 orange = ₹88/110 = ₹0.8

Profit percentage = $\frac{22}{88} \times 100$

⇒ Profit percentage = 25%

∴ The correct answer is option (4).

Que. 13 110 संतरे बेचने के बाद, एक दुकानदार दावा करता है कि वह 22 संतरे के विक्रय मूल्य के बराबर लाभ कमाता है । तो दुकानदार का लाभ प्रतिशत ज्ञात कीजिए।

1. 75%
2. 80%
3. 22%
4. 25%

Correct Option **- 4**

दिया गया है:

110 संतरे बेचने के बाद, लाभ = 22 संतरों का विक्रय मूल्य

प्रयुक्त सूत्र:

लाभ प्रतिशत = $\frac{\text{Profit}}{\text{Cost Price}} \times 100$

गणना:

माना कि 1 संतरे का विक्रय मूल्य = ₹1 (सरलता के लिए)

110 संतरों का कुल विक्रय मूल्य = 110 × 1 = ₹110

लाभ = 22 संतरों का विक्रय मूल्य = 22 × 1 = ₹22

इसलिए, 110 संतरों का क्रय मूल्य = कुल विक्रय मूल्य - लाभ

⇒ 110 संतरों का क्रय मूल्य = 110 - 22 = ₹88

1 संतरे का क्रय मूल्य = ₹88/110 = ₹0.8

लाभ प्रतिशत = $\frac{22}{88} \times 100$

⇒ लाभ प्रतिशत = 25%

∴ **सही उत्तर विकल्प (4) है।**

Que. 14 Depending on the intention which of the following logical informal fallacies may be involved in the following argument - 'I am shocked to hear you preaching atheism. Does your father know you believe that?'

(A) Appeal to authority

(B) Appeal to emotion

(C) Appeal to majority

(D) Appeal to force

Choose the *correct answer* from the options given below:

1. A and D Only
2. A and B Only
3. B and D Only
4. B and C Only

Correct Option **- 1**

A fallacy is a defect in an argument due to a flaw in reasoning or the creation of an illusion.

Key Points

- The fallacy of appeal to force occurs when the arguer tries to convince the conclusion, saying that person is either **implicitly or explicitly** that some **harm** will come.
  - For Example, Does your father know you believe that?
- Here, the arguer tries to persuade him through treat by telling him implicitly that he shall tell to his father.
- The appeal to authority fallacy is the **mistaken belief that something is true because an authorized person said it.**
  - For Example, "I am shocked to hear you preaching atheism."
- In this case, does the arguer have the authority to talk about atheism?

Thus, the correct answer from options A and D Only.

Additional Information

- Appeal to authority is the manipulation of the recipient's emotions in order to win an argument, particularly in the absence of factual evidence.
- Appeal to the majority is an argument, often emotively laden for the acceptance of an unproved conclusion by adducing irrelevant evidence based on the feelings, prejudices, or beliefs of a large group of people.

Que. 14 अभिप्राय पर आधारित निम्नलिखित में से कौन से तार्किक अनाकारिक दोष निम्नलिखित तर्क में सम्मिलित हो सकते है - 'आपके निरीश्वरवादी उपदेश को सुनकर मैं स्तब्ध हूँ। क्या आपके पिता यह जानते हैं कि तुम इसे मानते हो?'

(A) प्राधिकार आग्रह

(B) भाव आग्रह

(C) बहुमत आग्रह

(D) बल आग्रह

दिए गए विकल्पों में से *सही उत्तर* का चयन कीजिए:

1. केवल A और D
2. केवल A और B
3. केवल B और D
4. केवल B और C

Correct Option **- 1**

तर्क में त्रुटि या भ्रम के निर्माण के कारण तर्क में दोष/त्रुटि एक भ्रांति है।

Key Points

- बल के लिए आग्रह की भ्रांति तब होती है जब तर्क देने वाला यह कहते हुए निष्कर्ष को समझाने की कोशिश करता है कि व्यक्ति या तो **अप्रत्यक्ष रूप से या स्पष्ट रूप से** कह रहा है कि कुछ **हानि** होगी।
  - उदाहरण के लिए, क्या आपके पिता जानते हैं कि तुम इसे मानते हो?'
- यहाँ, तर्ककर्ता ने उसे यह कहकर निहितार्थ से समझाने की कोशिश की कि वह अपने पिता को बता देगा।
- प्राधिकरण की आग्रह में भ्रम की स्थिति **गलत धारणा है कि कुछ सत्य है क्योंकि एक अधिकृत व्यक्ति ने यह कहा है।**
  - उदाहरण के लिए, "मैं आपके निरीश्वरवादी उपदेश को सुनकर स्तब्ध हूँ।"
- इस मामले में, क्या तर्ककर्ता के पास निरीश्वरवादी के बारे में बात करने का अधिकार है?

इस प्रकार, केवल विकल्प A और D में से सही उत्तर है।

Additional Information

- प्राधिकार के लिए आग्रह एक तर्क जीतने के लिए प्राप्तकर्ता की भावनाओं का हेरफेर है, विशेष रूप से तथ्यात्मक साक्ष्य की अनुपस्थिति में।
- बहुमत के लिए आग्रह एक तर्क है, जो अक्सर लोगों के एक बड़े समूह की भावनाओं, पूर्वाग्रहों या विश्वासों के आधार पर अप्रासंगिक तर्कों को जोड़कर एक अप्रमाणिक निष्कर्ष की स्वीकृति के लिए तर्कसंगत रूप से जोड़ी जाती है।

Que. 15 If the statement "Some rectangles are not squares" is given as true, then according to the square of opposition which of the following statements can by immediately inferred to be false ?

1. All rectangles are squares.
2. Some rectangles are squares.

3. No rectangles are squares.
4. Some squares are not rectangles.

Correct Option - **1**
The correct response is All rectangles are squares.

Key Points

- A square of opposition is a diagram that represents the logical relations between four propositions. Given the statement "Some rectangles are not squares," we are working within the realm of categorical logic.
- This statement is an I statement in traditional logic (Some S is not P), indicating that there is at least one instance of the subject (rectangles) that does not fall under the predicate category (squares).
- If it's true that "Some rectangles are not squares," it directly contradicts the universal affirmation that all rectangles are squares. It implies there is at least one rectangle that isn't a square, making it impossible for all rectangles to be squares.
- According to the square of opposition, a particular negative statement (Some S is not P) makes the universal affirmative statement (All S is P) necessarily false.

Additional Information

The square of opposition helps in understanding the logical relationships between statements by illustrating how the truth of one proposition affects the truth values of others related to it. The basic structure involves:

- Universal affirmative (A): All S are P
- Universal negative (E): No S are P
- Particular affirmative (I): Some S are P
- Particular negative (O): Some S are not P

Que. 15 यदि कथन "कुछ आयत वर्ग नहीं हैं" को सत्य माना जाता है, तो विरोध के वर्ग के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा कथन तात्कालिक असत्य माना जा सकता है?

1. सभी आयत वर्ग हैं।
2. कुछ आयत वर्ग हैं।
3. कोई आयत वर्ग नहीं है।
4. कुछ वर्ग आयत नहीं हैं।

Correct Option - **1**
सही उत्तर यह है कि सभी आयत वर्ग हैं।

Key Points

- विरोध का वर्ग एक आरेख है जो चार प्रस्तावों के बीच तार्किक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है। "कुछ आयत वर्ग नहीं हैं" कथन को देखते हुए, हम श्रेणीबद्ध तर्क के क्षेत्र में कार्य करते हैं।
- यह कथन पारंपरिक तर्क में एक I कथन है (कुछ S, P नहीं है), यह दर्शाता है कि विषय (आयत) का कम से कम एक उदाहरण है जो विधेय श्रेणी (वर्ग) के अंतर्गत नहीं आता है।
- यदि यह सत्य है कि "कुछ आयत वर्ग नहीं हैं," तो यह सीधे तौर पर इस सार्वभौमिक पुष्टि का खंडन करता है कि सभी आयत वर्ग हैं। इसका तात्पर्य यह है कि कम से कम एक आयत ऐसा है जो वर्ग नहीं है, जिससे सभी आयतों का वर्ग होना असंभव हो जाता है।
- विरोध के वर्ग के अनुसार, एक विशेष नकारात्मक कथन (कुछ S, P नहीं है) सार्वभौमिक सकारात्मक कथन (सभी S, P है) को आवश्यक रूप से असत्य बना देता है।

Additional Information

विरोध का वर्ग यह दर्शाते हुए बयानों के बीच तार्किक संबंधों को समझने में मदद करता है कि कैसे एक प्रस्ताव की सच्चाई उससे संबंधित अन्य के सत्य मूल्यों को प्रभावित करती है। मूल संरचना में शामिल हैं:

- सार्वभौमिक सकारात्मक (A): सभी S, P हैं।
- सार्वभौमिक नकारात्मक (E): कोई S, P नहीं है।
- विशेष सकारात्मक (I): कुछ S, P हैं।
- विशेष नकारात्मक (O): कुछ S, P नहीं हैं।

Que. 16 In Communication, denotation is the level of

1. Belief
2. Contrast
3. Description
4. Dissent

Correct Option **- 3**

Key Points

The answer is 3) Description.

Denotation:

- **Denotation is the literal meaning of a word or phrase. It is the dictionary definition of a word.**
- Denotation is important in communication because it allows people to share information and ideas clearly and unambiguously.

Contrast, belief, and dissent are all important concepts in communication, but they are not the same as denotation.

- **Contrast** is the comparison of two or more things in order to highlight their differences.
- **Belief** is an acceptance that something is true, even without proof.
- **Dissent** is disagreement or opposition to a particular idea or course of action.

Here are some examples of denotation in communication:

- **The word "dog" denotes a four-legged, furry animal that is often kept as a pet.**
- The phrase "the sky is blue" denotes that the sky appears blue due to how sunlight interacts with the atmosphere.
- The sentence "I am a student" denotes the fact that the speaker is enrolled in a school or educational institution.

Denotation is an important part of communication because it allows people to share information and ideas in a clear and unambiguous way.

By understanding the denotation of words and phrases, people can communicate more effectively and avoid misunderstandings.

Que. 16 सम्प्रेषण में अभिधेयार्थ (डिनोटेशन) किसका स्तर है?

1. विश्वास
2. वैषम्य
3. विवरण
4. असहमति

Correct Option - **3**

Key Points

सही उत्तर विकल्प 3) अर्थात वर्णन है।

अभिधेयार्थ:

- **अभिधेयार्थ किसी शब्द या वाक्यांश का शाब्दिक अर्थ है। यह एक शब्द की शब्दकोश परिभाषा है।**
- सम्प्रेषण में संकेतन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लोगों को सूचना और विचारों को स्वच्छता और स्पष्ट रूप से साझा करने की अनुमति देता है।

सम्प्रेषण में वैषम्य, विश्वास और असहमति सभी महत्वपूर्ण अवधारणाएं हैं, लेकिन वे अभिधेयार्थ के समान नहीं हैं।

- **वैषम्य** उनके अंतर को उजागर करने के लिए दो या दो से अधिक चीजों की तुलना है।
- **विश्वास** एक स्वीकृति है कि कुछ बिना प्रमाण के भी सत्य है।
- **असहमति** किसी विशेष विचार या कार्य के लिए असहमति या विरोध है।

सम्प्रेषण में अभिधेयार्थ के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

- **"कुत्ते" शब्द से आशय एक चार पैर वाले प्यारे जानवर से है जिसे प्रायः पालतू जानवर के रूप में जाना जाता है।**
- "आकाश नीला है" यह वाक्यांश दर्शाता है कि सूरज की रोशनी वातावरण के साथ कैसे संपर्क करती है, इसके कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
- "मैं एक छात्र हूँ" वाक्य इस तथ्य को दर्शाता है कि वक्ता एक स्कूल या शैक्षणिक संस्थान में नामांकित है।

अभिधेयार्थ सम्प्रेषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह लोगों को सूचना और विचारों को स्वच्छता और स्पष्ट तरीके से साझा करने की अनुमति देता है।

शब्दों और वाक्यांशों के अभिधेयार्थ को समझकर लोग अधिक प्रभावी ढंग से सम्प्रेषण कर सकते हैं और तर्क दोष से बच सकते हैं।

Que. 17 World Wide Web (WWW) was invented by whom?

1. Alan Turing
2. Steve Jobs
3. Bill Gates
4. Tim Berners-Lee

Correct Option - **4**

World Wide Web, which is also known as the Web, is a **collection of websites** or web pages stored in web servers and connected to local computers through the internet.

Key Point

- Sir Tim Berners-Lee **invented the World Wide Web in 1989.**
- Sir Tim is the **Director of the World Wide Web Consortium.**
- **Berners-Lee** is now dedicated to enhancing and protecting the web's future.

Thus, World Wide Web (WWW) was invented by Tim Berners-Lee.

Additional Information

- **Alan Turing's** most notable work today is as a **computer scientist**. In 1936.
- He developed the idea for the **Universal Turing Machine.**
- **Steve Jobs was** a charismatic pioneer of the **personal computer era**. With Steve Wozniak, Jobs founded Apple Inc. in **1976.**

- **Bill Gates co-founded Microsoft Corporation** in 1975 with **Paul Allen and led** the company to become the worldwide leader in business and personal software and services.

Que. 17 वर्ल्ड वाइड वेब (www) का निम्नलिखित में से किसने अविष्कार किया था?

1. एलन ट्यूरिंग
2. स्टीव जॉब्स
3. बिल गेट्स
4. टिम बर्नर्स-ली

Correct Option **- 4**

वर्ल्ड वाइड वेब, जिसे वेब के रूप में भी जाना जाता है, वेब सर्वरों में संग्रहीत **वेबसाइटों या वेब पेजों का एक संग्रह है** और इंटरनेट के माध्यम से स्थानीय कंप्यूटरों से जुड़ा है।

Que. 18 The classification of computers into generations is based on the evolution of their hardware and technological architecture. Which of the following options correctly identifies the major technology used during the first through the fifth generations of computers?

1. Vacuum tubes, Transistors, Integrated Circuits, Microprocessors, Artificial Intelligence
2. Punch cards, Vacuum tubes, Transistors, Microprocessors, Quantum Computing
3. Transistors, Vacuum tubes, Microprocessors, Integrated Circuits, Artificial Intelligence
4. Vacuum tubes, Transistors, Punch cards, Microprocessors, Quantum Computing

Correct Option **- 1**

Key Points

The correct option for the major technology used in each generation of computers is: A) Vacuum tubes, Transistors, Integrated Circuits, Microprocessors, Artificial Intelligence

Here's why the other options are incorrect:

- B) Punch cards: While punch cards were a common input method for first-generation computers, they wouldn't be considered the major technological foundation. Quantum computing is still in its early stages and wouldn't fit in the sequence of established generations.
- C) Transistors before Vacuum tubes: The historical order places Vacuum tubes in the first generation followed by Transistors in the second.
- D) Punch cards and Quantum computing: As mentioned previously, these elements don't align with the technological landmarks for each generation.

Therefore, A correctly identifies the primary technologies driving each major stage in computer evolution:

- 1st Generation (1940s-1950s): Vacuum tubes
- 2nd Generation (1950s-1960s): Transistors
- 3rd Generation (1960s-1970s): Integrated Circuits
- 4th Generation (1970s-Present): Microprocessors
- 5th Generation (Present and beyond): Artificial Intelligence (emerging as a defining characteristic alongside Microprocessors)

Que. 18 कंप्यूटरों का पीढ़ियों में वर्गीकरण उनके हार्डवेयर और प्रौद्योगिकी वास्तुकला के विकास पर आधारित है। निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प कंप्यूटर की पहली से पाँचवीं पीढ़ी के दौरान उपयोग की जाने वाली प्रमुख तकनीक की सही पहचान करता है?

1. वैक्यूम ट्यूब, ट्रांजिस्टर, इंटीग्रेटेड सर्किट, माइक्रोप्रोसेसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
2. पंच कार्ड, वैक्यूम ट्यूब, ट्रांजिस्टर, माइक्रोप्रोसेसर, क्वांटम कंप्यूटिंग
3. ट्रांजिस्टर, वैक्यूम ट्यूब, माइक्रोप्रोसेसर, इंटीग्रेटेड सर्किट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
4. वैक्यूम ट्यूब, ट्रांजिस्टर, पंच कार्ड, माइक्रोप्रोसेसर, क्वांटम कंप्यूटिंग

Correct Option - **1**

Key Points

कंप्यूटर की प्रत्येक पीढ़ी में उपयोग की जाने वाली प्रमुख प्रद्योगिकी का सही विकल्प है: A) वैक्यूम ट्यूब, ट्रांजिस्टर, इंटीग्रेटेड सर्किट, माइक्रोप्रोसेसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

नीचे बताया गया है कि अन्य विकल्प गलत क्यों हैं:

- B) पंच कार्ड: जबकि पंच कार्ड पहली पीढ़ी के कंप्यूटरों के लिए एक सामान्य इनपुट विधि थे, उन्हें प्रमुख तकनीकी आधार नहीं माना जाएगा। क्वांटम कंप्यूटिंग अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है और स्थापित पीढ़ियों के अनुक्रम में सही नहीं है।
- C) वैक्यूम ट्यूब से पहले ट्रांजिस्टर: ऐतिहासिक क्रम में वैक्यूम ट्यूब को पहली पीढ़ी में और उसके बाद ट्रांजिस्टर को दूसरी पीढ़ी में रखा गया है।
- D) पंच कार्ड और क्वांटम कंप्यूटिंग: जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, ये तत्व प्रत्येक पीढ़ी के लिए तकनीकी स्थलों के साथ संरेखित नहीं होते हैं।

इसलिए, A कंप्यूटर विकास में प्रत्येक प्रमुख चरण को चलाने वाली प्राथमिक प्रौद्योगिकियों की सही पहचान करता है:

- पहली पीढ़ी (1940-1950): वैक्यूम ट्यूब
- दूसरी पीढ़ी (1950-1960): ट्रांजिस्टर
- तीसरी पीढ़ी (1960-1970): इंटीग्रेटेड सर्किट
- चौथी पीढ़ी (1970-वर्तमान): माइक्रोप्रोसेसर
- पाँचवीं पीढ़ी (वर्तमान और उससे आगे): आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जोकि माइक्रोप्रोसेसरों के साथ एक परिभाषित विशेषता के रूप में उभर रही है।

Que. 19 The magnitude of the earthquake is measured on Richter scale. Which value or above on Richter scale can cause damage from falling things?

1. 4
2. 5
3. 6
4. 7

Correct Option - **2**

Richter scale quantitative measure of an earthquake's magnitude was devised in 1935 by American seismologists Charles F. Richter and Beno Gutenberg.

- The earthquake's magnitude is determined using the logarithm of the amplitude (height) of the largest seismic wave calibrated to a scale by a seismograph.

Important Points

1. **The Richter magnitude** of an earthquake is determined from the logarithm of the amplitude of waves recorded by seismographs.
2. A **magnitude of 5 and above** can cause damage from falling things.
3. This can damage a moderate number of well-built structures in populated areas.

Hence, **The Richter scale magnitude of 5 and above can cause damage from falling things.**

Que. 19 भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर मापी जाती है। रिक्टर पैमाने पर कौन-सा मान या उससे अधिक वस्तुओं के गिरने से क्षति पहुँचाने का कारण बन सकता है?

1. 4.0
2. 5.0
3. 6.0
4. 7.0

Correct Option **- 2**

रिक्टर पैमाना, भूकंप के परिमाण की मात्रात्मक माप, 1935 में अमेरिकी भूकंपविज्ञानी चार्ल्स एफ. रिक्टर और बेनो गुटेनबर्ग द्वारा तैयार किया गया था।

- भूकंप के परिमाण का निर्धारण सबसे बड़ी भूकंपीय तरंग के आयाम (ऊंचाई) के लघुगणक का उपयोग करके किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ द्वारा एक पैमाने पर अंशांकित किया जाता है।

Important Points

1. एक भूकंप के **रिक्टर परिमाण** का निर्धारण सिस्मोग्राफ द्वारा दर्ज तरंगों के आयाम के लघुगणक से किया जाता है।
2. **5 और उससे अधिक के परिमाण** पर वस्तुओं के गिरने से हानि हो सकती है।
3. यह जनसँख्या वाले क्षेत्रों में अच्छी तरह से निर्मित संरचनाओं को मध्यम संख्या में हानि पहुंचा सकता है।

अत:, **रिक्टर पैमाने पर 5 और उससे अधिक के परिमाण पर वस्तुओं के गिरने से हानि हो सकती है।**

Que. 20 Consider the following statements about the Montreal Protocol:

1. The Montreal Protocol is designed to phase out the production and consumption of ozone-depleting substances (ODS).
2. The protocol was signed in 1989.
3. Hydrofluorocarbons (HFCs) are covered under the Montreal Protocol.

Which of the above statements is/are correct?

1. 1 only
2. 1 and 2 only
3. 1 and 3 only
4. 1, 2, and 3

Correct Option **- 3**

The correct answer is **1 and 3 only.**

Key Points

Details about the Montreal Protocol

- **Statement 1:** The Montreal Protocol is designed to phase out the production and consumption of ozone-depleting substances (ODS).
  - This statement is **correct** as it aligns with the primary objective of the Montreal Protocol to regulate and phase out ODS to protect the ozone layer.
- **Statement 2:** The Protocol was signed in 1989.
  - This statement is **incorrect** because the Montreal Protocol was adopted on **16 September 1987**, not 1989.
- **Statement 3:** Hydrofluorocarbons (HFCs) are covered under the Montreal Protocol.

- This statement is **correct** as HFCs are included under Annex F of the treaty, showing the protocol's evolution to encompass these substances despite their non-ODS nature but significant global warming potential.

Additional Information

- The Montreal Protocol is one of the most successful and universally adopted environmental treaties, aiming to protect the ozone layer.
- It includes differentiated responsibilities for developed and developing countries but requires binding, time-targeted, and measurable commitments from all parties.

Que. 20 मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों (ODS) के उत्पादन और खपत को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए बनाया गया है।
2. प्रोटोकॉल पर 1989 में हस्ताक्षर किए गए थे।
3. हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के अंतर्गत आते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 1 और 2
3. केवल 1 और 3
4. 1, 2 और 3

Correct Option **- 3**
सही उत्तर **केवल 1 और 3** है।

Key Points

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के बारे में विवरण

- **कथन 1:** मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों (ODS) के उत्पादन और खपत को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए बनाया गया है।
  - यह कथन **सही** है क्योंकि यह मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के प्राथमिक उद्देश्य के अनुरूप है, जो ओजोन परत की रक्षा के लिए ODS को विनियमित और चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
- **कथन 2:** प्रोटोकॉल पर 1989 में हस्ताक्षर किए गए थे।
  - यह कथन **गलत** है क्योंकि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को **16 सितंबर 1987** को अपनाया गया था, 1989 नहीं।
- **कथन 3:** हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के अंतर्गत आते हैं।
  - यह कथन **सही** है क्योंकि HFCs को संधि के अनुबंध F के तहत शामिल किया गया है, जो प्रोटोकॉल के विकास को दर्शाता है, जिसमें इन पदार्थों को शामिल किया गया है, भले ही वे ODS नहीं हैं, लेकिन उनका वैश्विक तापमान पर महत्वपूर्ण प्रभाव है।

Additional Information

- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन परत की रक्षा के उद्देश्य से सबसे सफल और सार्वभौमिक रूप से अपनाई गई पर्यावरणीय संधियों में से एक है।
- इसमें विकसित और विकासशील देशों के लिए विभेदित जिम्मेदारियाँ शामिल हैं, लेकिन सभी पक्षों से बाध्यकारी, समयबद्ध और मापने योग्य प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता है।

Que. 21 Given below are two statements:

Statement I : Due to climate change, Arctic sea ice is significantly thinner now than about a century ago
Statement II : Due to climate change, tropical regions have warmed much faster than rest of the world.
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.

1. Both Statement I and Statement II are correct
2. Both Statement I and Statement II are incorrect
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct

Correct Option **- 3**

Key Points

Statement I : Due to climate change, Arctic sea ice is significantly thinner now than about a century ago

- Statement I: "Due to climate change, Arctic sea ice is significantly thinner now than about a century ago." This statement is correct. Climate change has led to a warming of the Arctic region, resulting in the melting and thinning of Arctic sea ice. Numerous scientific studies and observations support this finding.

Statement II : Due to climate change, tropical regions have warmed much faster than the rest of the world.

- Statement II: "Due to climate change, tropical regions have warmed much faster than the rest of the world." This statement is incorrect.
- Climate change is a global phenomenon, and while different regions may experience varying rates of warming, the statement that tropical regions have warmed much faster than the rest of the world is not accurate.
- In reality, warming trends are evident in various regions across the globe, and different regions may experience distinct temperature changes, but none can be definitively stated as warming much faster than the rest.

There is a wealth of scientific evidence to support both of these statements.

- **For example, a 2019 study by the National Snow and Ice Data** Center found that Arctic sea ice thickness has declined by an average of 1.3 meters since 1980.
- And a 2018 study by the Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC) found that tropical regions have warmed by an average of 0.2 degrees Celsius per decade since the late 19th century.

Hence, Statement I is correct but Statement II is incorrect

Que. 21 नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : जलवायु परिवर्तन के कारण उत्तर ध्रुवीय समुद्री हिम लगभग एक शताब्दी पूर्व की तुलना में अब अत्यधिक महीन हो गई है।
कथन II : जलवायु परिवर्तन के कारण शेष विश्व की अपेक्षा उष्णकटिबंधीय क्षेत्र अधिक तीव्र गति से गरम हुए हैं।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए।

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

Correct Option **- 3**

Key Points

कथन I : जलवायु परिवर्तन के कारण उत्तर ध्रुवीय समुद्री हिम लगभग एक शताब्दी पूर्व की तुलना में अब अत्यधिक महीन हो गई है।

- "**कथन I :** जलवायु परिवर्तन के कारण उत्तर ध्रुवीय समुद्री हिम लगभग एक शताब्दी पूर्व की तुलना में अब अत्यधिक महीन हो गई है।" यह कथन सही है। जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक क्षेत्र में गर्मी बढ़ गई है, जिसके परिणामस्वरूप आर्कटिक समुद्री बर्फ पिघल और पतली हो रही है। कई वैज्ञानिक अध्ययन और अवलोकन इस निष्कर्ष का समर्थन करते हैं।

कथन II: जलवायु परिवर्तन के कारण शेष विश्व की अपेक्षा उष्णकटिबंधीय क्षेत्र अधिक तीव्र गति से गरम हुए हैं।

- कथन II: "जलवायु परिवर्तन के कारण शेष विश्व की अपेक्षा उष्णकटिबंधीय क्षेत्र अधिक तीव्र गति से गरम हुए हैं।" यह कथन ग़लत है।
- जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक घटना है, यद्यपि विभिन्न क्षेत्रों में तापमान में वृद्धि की अलग-अलग दर का अनुभव हो सकता है, यह कथन कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्र दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में बहुत तेजी से गर्म हुए हैं, यथार्थ नहीं है।
- वास्तव में, दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में वार्मिंग के रुझान स्पष्ट हैं, और विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तापमान परिवर्तन का अनुभव हो सकता है, लेकिन किसी को भी निश्चित रूप से बाकी हिस्सों की तुलना में बहुत तेजी से वार्मिंग के रूप में नहीं कहा जा सकता है।

इन दोनों कथनों का समर्थन करने के लिए बहुत सारे वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं।

- उदाहरण के लिए, नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि 1980 के बाद से आर्कटिक समुद्री बर्फ की मोटाई में औसतन 1.3 मीटर की गिरावट आई है।
- और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आई पी सी सी) के 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि 19वीं सदी के अंत से उष्णकटिबंधीय क्षेत्र प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस गर्म हुए हैं।

इसलिए, कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।

Que. 22 Match each educational body with its primary function:

Educational Body	Function
A) UGC	1) Teacher education standards
B) NCTE	2) Funding and curriculum guidance
C) NCERT	3) Primary education resources
D) AICTE	4) Technical education standards

1. A-2, B-1, C-3, D-4
2. A-1, B-2, C-4, D-3
3. A-3, B-2, C-1, D-4
4. A-2, B-3, C-4, D-1

Correct Option **- 1**
The correct answer is 'A-2, B-1, C-3, D-4'

Key Points

- **UGC (University Grants Commission):**
  - UGC is responsible for providing funding to universities and colleges in India.
  - It also offers curriculum guidance to ensure the quality and standard of higher education institutions.
- **NCTE (National Council for Teacher Education):**
  - NCTE is dedicated to maintaining and improving teacher education standards in India.
  - It sets norms and standards for the teacher education system.

- **NCERT (National Council of Educational Research and Training):**
  - NCERT is focused on developing and distributing primary education resources.
  - It creates textbooks and other educational materials for schools across India.
- **AICTE (All India Council for Technical Education):**
  - AICTE is responsible for setting standards for technical education in India.
  - It accredits technical institutions and programs to ensure quality education.

Additional Information

- **Incorrect Options:**
  - Option 2 (A-1, B-2, C-4, D-3): Incorrect as UGC does not set teacher education standards, and AICTE does not provide primary education resources.
  - Option 3 (A-3, B-2, C-1, D-4): Incorrect as UGC is not involved in primary education, and NCERT does not set teacher education standards.
  - Option 4 (A-2, B-3, C-4, D-1): Incorrect as NCTE does not provide primary education resources, and AICTE is not responsible for teacher education standards.

Que. 22 प्रत्येक शैक्षिक निकाय का उसके प्राथमिक कार्य से मिलान कीजिए:

शैक्षिक निकाय कार्य

A) UGC 1) शिक्षक शिक्षा मानक

B) NCTE 2) धन और पाठ्यचर्या मार्गदर्शन

C) NCERT 3) प्राथमिक शिक्षा संसाधन

D) AICTE 4) तकनीकी शिक्षा मानक

1. A-2, B-1, C-3, D-4
2. A-1, B-2, C-4, D-3
3. A-3, B-2, C-1, D-4
4. A-2, B-3, C-4, D-1

Correct Option - **1**

सही उत्तर 'A-2, B-1, C-3, D-4' है।

Key Points

- **UGC (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग):**
  - UGC भारत में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को धन प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।
  - यह उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता और मानक सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यचर्या मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।
- **NCTE (राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद):**
  - NCTE भारत में शिक्षक शिक्षा मानकों को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए समर्पित है।
  - यह शिक्षक शिक्षा प्रणाली के लिए मानदंड और मानक निर्धारित करता है।
- **NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद):**
  - NCERT प्राथमिक शिक्षा संसाधनों को विकसित करने और वितरित करने पर केंद्रित है।
  - यह सम्पूर्ण भारत में स्कूलों के लिए पाठ्यपुस्तकें और अन्य शैक्षिक सामग्री बनाता है।
- **AICTE (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद):**
  - AICTE भारत में तकनीकी शिक्षा के लिए मानक निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है।
  - यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी संस्थानों और कार्यक्रमों को मान्यता प्रदान करता है।

Additional Information

- **गलत विकल्प:**
  - विकल्प 2 (A-1, B-2, C-4, D-3): गलत है क्योंकि UGC शिक्षक शिक्षा मानक निर्धारित नहीं करता है, और AICTE प्राथमिक शिक्षा संसाधन प्रदान नहीं करता है।
  - विकल्प 3 (A-3, B-2, C-1, D-4): गलत है क्योंकि UGC प्राथमिक शिक्षा में शामिल नहीं है, और NCERT शिक्षक शिक्षा मानक निर्धारित नहीं करता है।
  - विकल्प 4 (A-2, B-3, C-4, D-1): गलत है क्योंकि NCTE प्राथमिक शिक्षा संसाधन प्रदान नहीं करता है, और AICTE शिक्षक शिक्षा मानकों के लिए जिम्मेदार नहीं है।

Que. 23 Which of the following has recommended that an Independent Regulatory Authority for Higher Education (IRAHE) should replace NCTE, AICTE, UGC and others?

1. National Knowledge Commission
2. Yesh Pal Committee
3. National Policy on Education -1986
4. Kothari Education Commission

Correct Option **- 1**
On **June 13th, 2005, the National Knowledge Commission** was established as a high-level advisory body to the Indian Prime Minister. In his speech, Indian Prime Minister Dr. Manmohan Singh outlined the aim for NKC. "The time has come to create a second wave of institution building and excellence in the fields of education, research and capacity building."

Key Points

- The National Knowledge Commission (NKC) was established to address educational difficulties facing schools in the twenty-first century. One of the most significant recent efforts to raise educational standards is NKC. The National Knowledge Commission (NKC), chaired by Mr. Sam Pitroda, was established by Prime Minister Dr. Manmohan Singh in June 2005 to develop a plan for reforming our knowledge-related institutions and infrastructure that would enable India to tackle future challenges.
- The report is a summary of the reform-related proposals for education made by NKC. The right to education, English language proficiency, vocational education and training, higher education, medical education, legal education, management education, open and distance education, and open educational resources are some of these reforms. There are also ongoing in-depth consultations on schooling, technical training, and attracting more students to the math and science streams.
- A recommendation made by the National Knowledge Commission (NKC) was for the creation of an independent regulatory body for higher education (IRAHE). In its plan, the IRAHE was to replace the UGC, AICTE, NCTE, MCI, DEC, and other regulatory bodies. This would free up the UGC to concentrate solely on funding activities while other regulatory bodies would be transformed into professional councils tasked with establishing standards for professional conduct and qualifications.

Thus we can say that National Knowledge Commission has recommended that an Independent Regulatory Authority for Higher Education (IRAHE) should replace NCTE, AICTE, UGC, and others.

Additional Information

Some of its significant recommendations are:

1. The need for central legislation affirming the Right to Education.
2. The teaching of English as a language should be introduced, along with the child's first language (either mother tongue or the regional language), starting from Class I.

3. Further, NKC has also focused on the need to reform the pedagogy of English language teaching and the use of all available media to supplement traditional teaching methods.
4. Changes in the school system which would encourage decentralisation, local autonomy in the management of schools, and flexibility in the disbursal of funds.
5. To improve quality and generate accountability, improve school infrastructure and revamp school inspection with a more significant role for local stakeholders and transparency in the system.
6. Information and Communication Technology (ICT) to be made more accessible to teachers, students, and the administration.
7. The need for reforms in the curriculum and examination systems by moving away from rote learning to a critical understanding of concepts
8. NKC suggested that the primary responsibility for school education is on the State Governments,
9. NKC also recommends both pre-service and in-service teacher education programmes

Que. 23 निम्नलिखित में से किसने सिफारिश की है कि उच्चतर शिक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण (इन्डीपेन्डेन्ट रेगुलेटरी अथोरिटि) को NCTE, AICTE, UGC और अन्य के स्थान पर प्रतिस्थापित करना चाहिए?

1. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग
2. यशपाल समिति
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986
4. कोठारी शिक्षा आयोग

Correct Option **- 1**

13 जून 2005 को, **भारतीय प्रधान मंत्री के लिए एक उच्च-स्तरीय सलाहकार निकाय** के रूप में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की स्थापना की गई थी। अपने भाषण में, भारतीय प्रधान मंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने NKC के उद्देश्य को रेखांकित किया। "शिक्षा, अनुसंधान और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में संस्थान निर्माण और उत्कृष्टता की दूसरी लहर बनाने का समय आ गया है।"

Key Points

- राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKC) की स्थापना इक्कीसवीं सदी में स्कूलों के सामने आने वाली शैक्षिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए की गई थी। शैक्षिक मानकों को बढ़ाने के लिए हाल ही में किए गए सबसे महत्वपूर्ण प्रयासों में से एक NKC है। श्री सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKC) की स्थापना जून 2005 में प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा की गई थी ताकि हमारे ज्ञान से संबंधित संस्थानों और आधारभूत संरचना में सुधार की योजना विकसित की जा सके जिससे भारत भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सके।
- यह रिपोर्ट NKC द्वारा शिक्षा के लिए किए गए सुधार संबंधी प्रस्तावों का सारांश है। शिक्षा का अधिकार, अंग्रेजी भाषा में प्रवीणता, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, कानूनी शिक्षा, प्रबंधन शिक्षा, मुक्त और दूरस्थ शिक्षा, और खुले शैक्षिक संसाधन इनमें से कुछ सुधार हैं। स्कूली शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, और अधिक छात्रों को गणित और विज्ञान की ओर आकर्षित करने पर गहन विचार-विमर्श चल रहा है।
- उच्च शिक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक निकाय (IRAHE) के निर्माण के लिए राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKC) द्वारा की गई एक सिफारिश थी। अपनी योजना में, IRAHE को UGC, AICTE, NCTE, MCI, DEC और अन्य नियामक निकायों को बदलना था। यह UGC को पूरी तरह से वित्त पोषण गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मुक्त करेगा जबकि अन्य नियामक निकायों को पेशेवर आचरण और योग्यता के मानकों को स्थापित करने के लिए काम करने वाली पेशेवर परिषदों में बदल दिया जाएगा।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने सिफारिश की है कि उच्च शिक्षा के लिए एक स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण (IRAHE) को NCTE, AICTE, UGC, और अन्य की जगह लेनी चाहिए।

Additional Information

इसकी कुछ महत्वपूर्ण अनुशंसाएं हैं:

1. शिक्षा के अधिकार की पुष्टि करने वाले केंद्रीय कानून की आवश्यकता।

2. एक भाषा के रूप में अंग्रेजी का शिक्षण, बच्चे की पहली भाषा (या तो मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा) के साथ कक्षा 1 से शुरू किया जाना चाहिए।
3. इसके अलावा, NKC ने अंग्रेजी भाषा शिक्षण के शिक्षण में सुधार की आवश्यकता और पारंपरिक शिक्षण विधियों के पूरक के लिए सभी उपलब्ध मीडिया के उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित किया है।
4. स्कूल प्रणाली में परिवर्तन जो विकेंद्रीकरण, स्कूलों के प्रबंधन में स्थानीय स्वायत्तता और धन के वितरण में लचीलेपन को प्रोत्साहित करेगा।
5. गुणवत्ता में सुधार और जवाबदेही उत्पन्न करने के लिए, स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार और स्थानीय हितधारकों के लिए अधिक महत्वपूर्ण भूमिका और प्रणाली में पारदर्शिता के साथ स्कूल निरीक्षण में सुधार करना।
6. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) को शिक्षकों, छात्रों और प्रशासन के लिए अधिक सुलभ बनाना।
7. रटंत विद्या से हटकर अवधारणाओं की आलोचनात्मक समझ की ओर बढ़ते हुए पाठ्यचर्या और परीक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है
8. NKC ने सुझाव दिया कि स्कूली शिक्षा की प्राथमिक उत्तरदायित्वों राज्य सरकारों की है।
9. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग सेवा पूर्व और सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की भी सिफारिश करता है।

Que. 24 Value education is about promoting

A. equality and social justice

B. national cohesion and democratic citizenship

C. rich cultural and spiritual heritage

D. religious practices and beliefs

E. sound moral and ethical principles

Choose the *correct* answer from the options given below:

1. B, C, D and E only
2. A, B, C and E only
3. C, D and E only
4. A, B and E only

Correct Option - **2**

Value education is a holistic approach to education that emphasizes the development of a student's moral and ethical values, as well as their intellectual and academic skills. The goal of value education is to help students develop a strong moral and ethical character so that they can become responsible and productive members of society.

Key Points

Value education typically covers a wide range of topics, including human rights and responsibilities, social justice, equality, peace, respect for diversity, and the environment. It may also address issues such as personal integrity, honesty, trustworthiness, and self-discipline.

Value education is often integrated into the curriculum of schools and colleges, and may be taught as a separate subject or woven into other subjects such as history, literature, and social studies. It may also be delivered through extracurricular activities, such as community service projects, and may involve community leaders, teachers, and parents.

Important Points

Value education is about promoting the development of **sound moral and ethical principles, rich cultural and spiritual heritage, equality and social justice**, **national cohesion and democratic citizenship, and a respect for diversity and tolerance**. All of these elements contribute to a well-rounded and holistic education that prepares students to be responsible and active members of society.

In particular, value education helps students understand the importance of ethical and moral values, such as honesty, fairness, respect, and responsibility. It also provides students with an appreciation for cultural and

spiritual traditions and encourages them to think critically about social issues and to work towards creating a more just and equitable society.

Therefore, the correct answer is A, B, C and E only.

Que. 24 मूल्यपरक शिक्षा (Value education) किस बारे में प्रोत्साहित करती है?

A. समानता और सामाजिक न्याय

B. राष्ट्रीय सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक नागरिकता

C. समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत

D. धार्मिक प्रथाएँ और विश्वास

E. उच्च नैतिक ऑर नीतिगत सिद्धांत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

1. केवल B, C, D और E
2. केवल A, B, C और E
3. केवल C, D और E
4. केवल A, B और E

Correct Option - **2**

मूल्यपरक शिक्षा शिक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है जो एक छात्र के नैतिक और नैतिक मूल्यों के विकास के साथ-साथ उनके बौद्धिक और शैक्षणिक कौशल पर बल देता है। मूल्य शिक्षा का लक्ष्य विद्यार्थियों को एक मजबूत नैतिक और नैतिक चरित्र विकसित करने में मदद करना है ताकि वे समाज के जिम्मेदार और उत्पादक सदस्य बन सकें।

Key Points

मूल्यपरक शिक्षा सामान्य तौर पर मानवाधिकारों और जिम्मेदारियों, सामाजिक न्याय, समानता, शांति, विविधता के लिए सम्मान और पर्यावरण सहित कई विषयों को शामिल करती है। यह व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, विश्वसनीयता और आत्म-अनुशासन जैसे मुद्दों को भी संबोधित कर सकती है।

मूल्यपरक शिक्षा अक्सर स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में एकीकृत होती है, और इसे एक अलग विषय के रूप में पढ़ाया जा सकता है या इतिहास, साहित्य और सामाजिक अध्ययन जैसे अन्य विषयों में बुना जा सकता है। यह पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से भी प्रदान किया जा सकता है, जैसे कि सामुदायिक सेवा परियोजनाएं, और इसमें सामुदायिक नेताओं, शिक्षकों और माता-पिता को शामिल किया जा सकता है।

Important Points

मूल्यपरक शिक्षा **मूर्त नैतिक और नीतिपरक सिद्धांतों, समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत, समानता और सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक नागरिकता, और विविधता और सहिष्णुता के प्रति सम्मान के विकास को** बढ़ावा देने के बारे में है। ये सभी तत्व एक पूर्ण और समग्र शिक्षा में योगदान करते हैं जो छात्रों को समाज के जिम्मेदार और सक्रिय सदस्य के रूप में तैयार करता है।

विशेष रूप से, मूल्यपरक शिक्षा छात्रों को नैतिक और नीतिपरक मूल्यों, जैसे ईमानदारी, निष्पक्षता, सम्मान और जिम्मेदारी के महत्व को समझने में मदद करती है। यह छात्रों को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं की सराहना भी प्रदान करती है और उन्हें सामाजिक मुद्दों के बारे में समालोचनात्मक रूप से सोचने और अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

इसलिए, सही उत्तर केवल A, B, C और E है।

Que. 25 In which city is the National School of Drama (NSD) located?

1. Mumbai
2. Pune

3. Delhi
4. Ahmedabad

Correct Option **- 3**
National School of Drama(NSD) is located in Delhi. It is an autonomous organization under Ministry of Culture, Government of India. It was set up in 1959 by the Sangeet Natak Akademi, and became an independent school in 1975. In 2005 it was granted deemed university status, but in 2011 it was revoked on the institute's request.

Que. 25 'नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा' किस शहर में स्थित है?

1. मुंबई
2. पुणे
3. दिल्ली
4. अहमदाबाद

Correct Option **- 3**
'नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा (एनएसडी)' दिल्ली में स्थित है| यह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है| संगीत नाटक अकादमी ने 1959 में इसकी स्थापना की और 1975 में यह एक स्वतंत्र स्कूल बन गया| 2005 में इसे मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया, लेकिन 2011 में संस्थान के अनुरोध पर इसे रद्द कर दिया गया|

Que. 26 Out of the following statements about the regulatory body in the field of higher education, which is not correct ?

1. National Knowledge Commission under the leadership of Sam Pitroda in 2005 had proposed independent regulatory authority for higher education institutions.
2. Yashpal Committee recommended single independent regulating authority for higher education institutions.
3. Central Government has proposed to replace present regulatory bodies in the field of higher education with a single regulatory body called Higher Education Empowerment Regulation Agency (HEERA).
4. University Grants Commission (UGC) is the only existing regulatory body in higher education at present.

Correct Option **- 4**
The correct answer is **University Grants Commission (UGC) is the only existing regulatory body in higher education at present**.

Important Points

- **National Knowledge Commission** under the leadership of Sam Pitroda in 2005 had proposed an independent regulatory authority for higher education institutions.
- **82-year-old Professor Yashpal and his committee** members have reported to the Ministry of Human Resource Development and suggested the scrapping of all higher education regulatory bodies and the creation of a super-regulator.
    - **A seven-member Commission for Higher Education and Research (CHER)**.
- The Central Government has proposed to do away with the All India Council for Technical Education (AICTE) and the University Grants Commission (UGC) and replace them **with a single body**.
- The main aim & role of UGC in higher education is to provide funds to universities and coordinate, determine & maintain the ethics in institutions of higher education.

Que. 26 उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नियामक संस्था के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही नहीं है?

1. 2005 में सैम पित्रोदा के नेतृत्व में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण का प्रस्ताव दिया था।
2. यशपाल समिति ने उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एकल स्वतंत्र विनियमन प्राधिकरण की सिफारिश की।
3. केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान नियामक निकायों को उच्च शिक्षा सशक्तिकरण विनियमन एजेंसी (HEERA) नामक एकल नियामक संस्था के साथ बदलने का प्रस्ताव दिया है।
4. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) वर्तमान में उच्च शिक्षा में एकमात्र मौजूदा नियामक निकाय है।

Correct Option - **4**
सही उत्तर **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) वर्तमान में उच्च शिक्षा में एकमात्र मौजूदा नियामक निकाय** है।

Important Points

- 2005 में सैम पित्रोदा के नेतृत्व में **राष्ट्रीय ज्ञान आयोग** ने उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण का प्रस्ताव दिया था।
- **82 वर्षीय प्रोफेसर यशपाल और उनकी समिति के** सदस्यों ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को रिपोर्ट की है और सभी उच्च शिक्षा नियामक निकायों को खत्म करने और एक सुपर-रेगुलेटर के निर्माण का सुझाव दिया है।
  - **उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए सात सदस्यीय आयोग (CHER)**।
- केंद्र सरकार ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) को हटाने और उन्हें **एक निकाय से** बदलने का प्रस्ताव दिया है।
- उच्च शिक्षा में UGC का मुख्य उद्देश्य और भूमिका विश्वविद्यालयों को धन मुहैया कराना और उच्च शिक्षा के संस्थानों में नैतिकता को निर्धारित करना और बनाए रखना है।

Que. 27 Read the following passage carefully:

In the field of human sciences, interdisciplinary research can result from two separate but interrelated needs. First is the 'need for information' and more data, and the second is the need for more common structures or for analytical integration. At the first level, an interdisciplinary collaboration poses little or no problems. It involves exchange of information among related disciplines in the belief that such exchange enriches a discipline's understanding of the phenomena under study. A discipline's boundaries and autonomy in explanatory terms are not eroded by interdisciplinary contacts at the level of information or data. It may sometimes lead to adoption of common methods by related disciplines, which in turn, may pave the way for a possible integration at the level of analysis or perspectives or interpretative scheme. The fulfillment of this second need for common structures, or what we have termed as analytical integration, is beset with several difficulties. Unlike in the natural sciences, in the social sciences there is no linear order of sciences ranged between 'decreasing generality' and 'increasing complexity'. On the contrary, in some of the social sciences, there is a marked tendency to reduce explanations of diverse social phenomena to a single perspective peculiar to that science. Sociologists are often accused of reducing everything to sociology and their reductionism is often pejoratively dubbed as 'sociological inperialism' Similar tendencies are noticeable, with differences in degree, among some economists, political scientists, linguists, psychologists, and so on.

Answer the following questions based on the facts/information described in the above passage:

Inter-disciplinary research in human sciences results from

1. Similar and diverse needs.
2. Multiple and conflicting needs.
3. Diverse and intra-related needs.
4. Two separate but inter-related needs.

Correct Option - **4**
Inter-disciplinary research in human sciences results from **two separate but inter-related needs.**

Key Points

- **Interdisciplinary research** refers to the collaboration between researchers from different academic disciplines to address complex problems or questions that cannot be tackled by a single discipline alone.
- **In the field of human sciences, interdisciplinary research can result from two separate but interrelated needs.**
- The first need involves the **exchange of information among related disciplines** in the belief that such exchange enriches a discipline's understanding of the phenomena under study.
- The second need involves the **need for common structures or analytical integration**, which is more challenging and requires overcoming disciplinary boundaries and finding common ground.
- Overall, **interdisciplinary research in human sciences is driven by the need to address complex problems** or questions that cannot be tackled by a single discipline alone, and it requires both the exchange of information and data as well as the development of more common structures or analytical integration.

Thus, we can conclude that inter-disciplinary research in human sciences results from **two separate but inter-related needs.**

Que. 27 निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढिए:

मानव विज्ञान के क्षेत्र में अंतः विषयी शोध दो भिन्न परन्तु अंतःसंबंधित आवश्यकताओं का परिणाम हो सकता है। प्रथम है 'सूचना की आवश्यकता' और अधिक आंकडें, और दूसरा है अधिक सामूहिक संरचनाओं अथवा विश्लेषणात्मक समाकलन की आवश्यकता। पहले स्तर पर अंतः विषयी सहकार में या तो बहुत थोडी समस्या होती है या कोई समस्या नहीं होती है। इसमें इस विश्वास के साथ संबंधित विषयों में सूचना विनिमय अंतर्ग्रस्त होती है कि यह विनिमय अध्यधीन परिघटना के बारे में उस विषय की समझदारी को समृद्ध बनाता है। सूचना अथवा आंकडों के स्तर पर अंतः विषयी संपर्कों द्वारा व्याख्यात्मक संदर्भों में किसी विषय की सीमाओं और कभी-कभी संबंधित विषयों द्वारा एक समान विधियों को अपनाया जा सकता है, जिससे विश्लेषण अथवा परिप्रेक्ष्य अथवा व्याख्यात्मक योजना के स्तर पर संभव समाकलन का मार्ग खुल सकता है। सामूहिक संरचना की इस दूसरी आवश्यकता की पूर्ति, या जिसे हमने विश्लेषणात्मक समाकलन कहा है, के मार्ग में अनेक कठिनाईयां हैं। प्राकृतिक विज्ञान के विपरीत, समाज विज्ञान में 'घटती सामान्यता' और 'बढ़ती जटिलता' के बीच विज्ञान का कोई एक रेखीय क्रम नहीं होता है। इसके विपरीत, कतिपय समाज विज्ञानों में, विविध सामाजिक परिघटनाओं की व्याख्याओं को घटाकर उस विज्ञान के लिए विशिष्ट एकल परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की स्पष्ट प्रवृत्ति है। समाज शास्त्रियों पर बहुधा प्रत्येक वस्तु को समाज शास्त्र तक सीमित करने का आरोप लगाया जाता है और उनके इस अपचयवाद को बहुधा अवमानसूचक रूप से 'समाजशास्त्रीय साम्राज्यवाद' का नाम दिया जाता है। इसी प्रकार की प्रवृत्तियां डिग्री के अंतर के साथ, अर्थशास्त्रियों, राजनीति विद्वानों, भाषाविद्, मनोवैज्ञानिकों और इसी प्रकार के अन्य विद्वानों में दिखाई देती हैं।

उपर्युक्त गद्यांश में वर्णित तथ्यों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मानव विज्ञान में अंतः विषयी शोध किन आवश्यकताओं का परिणाम हो सकता है?

1. समान व भिन्न आवश्यकताएं
2. बहुल व परस्पर विरोधी आवश्यकताएं
3. भिन्न व अंतः संबन्धित आवश्यकताएं
4. दो भिन्न परन्तु अंतः संबन्धित आवश्यकताएं

Correct Option - **4**

मानव विज्ञान में अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान आवश्यकताओं के परिणाम **दो अलग-अलग लेकिन परस्पर संबंधित आवश्यकताएं** हैं।

Key Points

- **अंतःविषय अनुसंधान** विभिन्न शैक्षणिक विषयों के शोधकर्ताओं के बीच जटिल समस्याओं या प्रश्नों को हल करने के लिए सहयोग को संदर्भित करता है जिसे अकेले एक विषय से हल नहीं किया जा सकता है।

- **मानव विज्ञान के क्षेत्र में, अंतःविषय अनुसंधान दो अलग-अलग लेकिन परस्पर संबंधित आवश्यकताओं के परिणामस्वरूप हो सकता है।**
- पहली आवश्यकता में **संबंधित विषयों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान** इस विश्वास में शामिल है कि इस तरह के आदान-प्रदान से अध्ययन के तहत घटनाओं की एक अनुशासन की समझ समृद्ध होती है।
- दूसरी आवश्यकता में सामान्य **संरचनाओं या विश्लेषणात्मक एकीकरण की आवश्यकता शामिल है,** जो अधिक चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए अनुशासनात्मक सीमाओं पर काबू पाने और सामान्य आधार खोजने की आवश्यकता है।
- कुल मिलाकर, **मानव विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान जटिल समस्याओं या प्रश्नों को संबोधित करने की आवश्यकता से प्रेरित होता है,** जिसे अकेले एक विषय से नहीं निपटा जा सकता है, और इसके लिए सूचना और डेटा के आदान-प्रदान के साथ-साथ अधिक सामान्य संरचनाओं या विश्लेषणात्मक एकीकरण के विकास की आवश्यकता होती है। .

इस प्रकार, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि मानव विज्ञान में अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान आवश्यकताओं के परिणाम **दो अलग-अलग लेकिन परस्पर संबंधित आवश्यकताएं** हैं।

Que. 28 Interdisciplinary collaboration sometimes involves-

1. Adoption of different methods by discipline
2. Adoption of single method by diverse disciplines
3. Adoption of common method by related disciplines
4. Adopdtion of cross-method by one discipline

Correct Option **- 3**
Interdisciplinary collaboration sometimes involves **adoption of common method by related disciplines**.

Key Points

- **Interdisciplinary collaboration** sometimes **involves the exchange of information among related disciplines** in the belief that such exchange enriches a discipline's understanding of the phenomena under study.
- This means that **researchers from different fields come together** to share their data and knowledge, which can lead to a more **comprehensive understanding** of a particular issue or problem.
- This level of interdisciplinary collaboration poses little or no problems and does not erode the boundaries and autonomy of a discipline in explanatory terms.
- It can **sometimes lead to the adoption of common methods by related disciplines,** which may pave the way for possible integration at the level of analysis or perspectives or interpretative scheme.
- However, this kind of collaboration is different from the need for more common structures or analytical integration, which is more difficult to achieve.

Hence, we can conclude that interdisciplinary collaboration sometimes involves **adoption of common method by related disciplines**.

Que. 28 अंतः विषयी सहकार प्राय: क्या समावेश करता है?

1. विषय द्वारा भिन्न-भिन्न विधि को अपनाना
2. विभिन्न विषयों द्वारा केवल एक विधि को अपनाना
3. संबंधित विषयों द्वारा एक समान विधि को अपनाना
4. एक विषय द्वारा विषम विधियों को अपनाना

Correct Option **- 3**
अंतःविषयी सहकार प्राय: सं**बंधित विषयों द्वारा एक समान विधि को अपनाने का** समावेश करता है।

Key Points

- **अंतःविषय सहकार** में कभी-कभी **संबंधित विषयों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल होता है,** इस विश्वास में कि इस तरह के आदान-प्रदान से अध्ययन के तहत घटनाओं की एक अनुशासन की समझ समृद्ध होती है।
- इसका अर्थ है कि **विभिन्न क्षेत्रों के शोधकर्ता अपने आँकड़ों और ज्ञान को साझा करने के लिए एक साथ आते हैं**, जिससे किसी विशेष मुद्दे या समस्या की अधिक **व्यापक समझ** हो सकती है।
- अंतःविषय सहयोग का यह स्तर बहुत कम या कोई समस्या नहीं है और व्याख्यात्मक शर्तों में एक अनुशासन की सीमाओं और स्वायत्तता को नष्ट नहीं करता है।
- यह **कभी-कभी संबंधित विषयों द्वारा सामान्य तरीकों को अपनाने का कारण बन सकता है,** जो विश्लेषण या दृष्टिकोण या व्याख्यात्मक योजनाओं के स्तर पर संभावित एकीकरण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।
- हालांकि, इस तरह का सहयोग अधिक सामान्य संरचनाओं या विश्लेषणात्मक एकीकरण की आवश्यकता से अलग है, जिसे प्राप्त करना अधिक कठिन है।

इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि **अंतःविषयी सहकार प्रायः संबंधित विषयों द्वारा एक समान विधि को अपनाने का समावेश करता है।**

Que. 29 The difficulties in analytical integration are due to:

1. Social sciences having no linear order
2. Social sciences have pure experimental method
3. Social sciences are simpler in nature
4. Social sciences have more standardization

Correct Option **- 1**
The correct answer is **social sciences having no linear order**.

Key Points

- The difficulties in **analytical integration in interdisciplinary research** in **human sciences** are due to several factors.
- One of the main challenges is that unlike in the natural sciences, **there is no linear order of sciences ranged between 'decreasing generality' and 'increasing complexity'.**
- In the social sciences, explanations of diverse social phenomena cannot always be reduced to a single perspective peculiar to that science.
- **Sociologists**, for instance, are often accused of reducing everything to sociology, while economists, political scientists, linguists, psychologists, and other social scientists may also display similar tendencies, albeit with differences in degree.
- Furthermore, a**nalytical integration requires the identification of common structures or analytical frameworks** that can be applied across different disciplines to produce a more comprehensive understanding of the problem or issue under study.
- However, identifying such common structures can be difficult because **different disciplines may use different methods**, **approaches**, and **theoretical frameworks** to study the same problem or issue.
- This can lead to challenges in comparing and contrasting findings, as well as in integrating different perspectives into a coherent whole.
- Overall, achieving analytical integration in interdisciplinary research in human sciences requires a **willingness to collaborate across disciplines**, as well as an **openness to different perspectives, methods, and theoretical frameworks**.
- It also requires careful attention to the ways in which different disciplines **conceptualize and study social phenomena**, in order to identify commonalities and develop shared analytical frameworks.

Therefore, the correct answer is **social sciences having no linear order**.

Que. 29 विश्लेषणात्मक समाकलन में कठिनाईयां _____ फलस्वरूप होती हैं।

1. सामाजिक विज्ञान में रेखिए क्रम नहीं होने के
2. सामाजिक विज्ञान में विशुद्ध प्रयोगात्मक प्रणाली के समानता के
3. सामाजिक विज्ञान प्रकृति के
4. सामाजिक विज्ञान अधिक मानकीकरण के

Correct Option - **1**
सही उत्तर **<u>सामाजिक विज्ञान में रेखिए क्रम नहीं होना</u>** है।

<u>Key Points</u>

- **मानव विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान में विश्लेषणात्मक एकीकरण** में कठिनाइयाँ कई कारकों के कारण हैं।
- मुख्य चुनौतियों में से एक यह है कि **प्राकृतिक विज्ञानों के विपरीत, 'घटती सामान्यता' और 'बढ़ती जटिलता' के बीच विज्ञान का कोई रैखिक क्रम नहीं है।**
- सामाजिक विज्ञानों में, विविध सामाजिक परिघटनाओं की व्याख्याओं को हमेशा उस विज्ञान के विशिष्ट एक ही परिप्रेक्ष्य में कम नहीं किया जा सकता है।
- उदाहरण के लिए, **समाजशास्त्रियों** पर अक्सर हर चीज को समाजशास्त्र में कम करने का आरोप लगाया जाता है, जबकि अर्थशास्त्री, राजनीतिक वैज्ञानिक, भाषाविद्, मनोवैज्ञानिक और अन्य सामाजिक वैज्ञानिक भी इसी तरह की प्रवृत्ति प्रदर्शित कर सकते हैं, भले ही डिग्री में अंतर हो।
- इसके अलावा, **विश्लेषणात्मक एकीकरण के लिए सामान्य संरचनाओं या विश्लेषणात्मक रूपरेखाओं की पहचान की आवश्यकता होती है,** जिन्हें अध्ययन के तहत समस्या या मुद्दे की अधिक व्यापक समझ पैदा करने के लिए विभिन्न विषयों में लागू किया जा सकता है।
- हालांकि, ऐसी सामान्य संरचनाओं की पहचान करना मुश्किल हो सकता है **क्योंकि विभिन्न विषय एक ही समस्या या मुद्दे का अध्ययन करने के लिए विभिन्न विधियों, दृष्टिकोणों** और **सैद्धांतिक रूपरेखाओं** का उपयोग कर सकते हैं।
- इससे निष्कर्षों की तुलना और विषमता के साथ-साथ विभिन्न दृष्टिकोणों को एक सुसंगत पूरे में एकीकृत करने में चुनौतियां हो सकती हैं।
- कुल मिलाकर, मानव विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान में विश्लेषणात्मक एकीकरण प्राप्त करने के लिए **विभिन्न विषयों में सहयोग करने की इच्छा के साथ-साथ विभिन्न दृष्टिकोणों, विधियों और सैद्धांतिक रूपरेखाओं के लिए खुलेपन की आवश्यकता होती है।**
- समानताओं की पहचान करने और साझा विश्लेषणात्मक ढांचे को विकसित करने के लिए विभिन्न विषयों की **अवधारणा और सामाजिक घटनाओं का अध्ययन करने के तरीकों पर** भी सावधानीपूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसलिए, सही उत्तर यह है कि **<u>सामाजिक विज्ञानों का कोई रैखिक क्रम नहीं है।</u>**